संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 178
पृष्ठ 8
गुरूवार
19 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शुगर के मरीजों के लिए...

विचार- मतदान की तारीखों का ऐलान...

खेल- ये छह स्टार अब भी रिहैब में, किन...

मुख्यमंत्री ने ''नव निर्माण के 9 वर्ष'' पुस्तक का किया विमोचन,बोले-

न भय, न तनाव, न अराजकता और न दंगों का खतरा

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में विकास और सतत समृद्धि के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में "नव निर्माण के 9 वर्ष" पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व उनकी विजनरी नेतृत्व क्षमता के तहत बीते 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में जो परिवर्तन हुआ है, वह डबल इंजन सरकार की नीतियों, पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, जनप्रतिनिधियों की सेवा भावना और जनता जनार्दन के सहयोग का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता को 9 वर्षों की उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह परिवर्तन 25 करोड़ प्रदेशवासियों की सामूहिक शक्ति का प्रतीक है।मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 वर्षों की यात्रा को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि 2017 से पहले प्रदेश की स्थिति क्या थी। उत्तर प्रदेश जैसे असीम संभावनाओं वाले राज्य को पहचान के संकट का सामना करना पड़ रहा था। दुनिया की सबसे उर्वर भूमि और प्रचुर जल संसाधनों के बावजूद किसान आत्महत्या के लिए मजबूर था। प्रदेश का कारीगर, जो अपनी कला के लिए प्रसिद्ध था, वह उद्यमी बनने के बजाय श्रमिक बनकर पलायन करने को विवश था। युवाओं के सामने पहचान और रोजगार का संकट था, भर्ती प्रक्रियाएं भ्रष्टाचार और वसूली से प्रभावित थीं। आज तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। 9 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, रोजगार, किसानों के कल्याण, महिलाओं के सशक्तीकरण और गरीबों के उत्थान के लिए व्यापक कार्य किए हैं। कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से दलितों, वंचितों और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी लाभ पहुंचाने का काम किया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सेवा क्षेत्रों में सुधार करते हुए सुशासन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आस्था, संस्कृति व परंपराओं को सम्मान देते हुए नई पहचान दिलाने के प्रयास भी लगातार जारी हैं, जिससे उत्तर प्रदेश एक नई पहचान के साथ देश और दुनिया में उभर रहा है। उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 9 विषयों पर आधारित 9 दिवसीय कार्यक्रम किया जा रहा है, जो बसंत नवरात्रि से प्रारंभ हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 वर्ष पूरे होने पर प्रदेश सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष के लिए लगभग 9 लाख 12 हजार करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है, जो उत्तर प्रदेश के समग्र और संतुलित विकास को नई गति देगा। उत्तर प्रदेश आज कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। पहले जहां त्योहारों के दौरान भय, तनाव, दंगे और कर्फ्यू का माहौल बन जाता था, वहीं अब नवरात्रि और रमजान जैसे महत्वपूर्ण पर्व एक साथ पूरी शालीनता और सौहार्द के साथ मनाए जा रहे हैं। अलविदा की नमाज और ईद जैसे अवसर भी पूरी शांति से संपन्न हो रहे हैं और कहीं कोई हलचल या अव्यवस्था देखने को नहीं मिलती। बदलाव केवल माहौल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरकार की नीयत, नीति, निरंतर प्रयासों का परिणाम है।आज प्रदेश में न कोई भय है, न तनाव, न अराजकता और न ही दंगों का खतरा, यह सब सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के कारण संभव हुआ है।मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय प्रदेश में भर्तियां नहीं होती थीं, क्योंकि सरकार की नीयत साफ नहीं थी और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता था। लेकिन पिछले 9 वर्षों में इस स्थिति को पूरी तरह बदला गया है। सरकार ने 9 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी हैं, जिनमें 2 लाख 19 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की भर्ती शामिल है। पुलिस भर्ती के साथ-साथ प्रशिक्षण क्षमता को भी अभूतपूर्व रूप से बढ़ाया गया है। उन्होंने 2017 के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि उस समय 30 हजार पुलिस भर्ती के लिए केवल 3 हजार प्रशिक्षण क्षमता उपलब्ध थी। तब केंद्र सरकार के सहयोग से मिलिट्री, पैरामिलिट्री और अन्य राज्यों के प्रशिक्षण केंद्रों का उपयोग करना पड़ा था। लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है और 2025 में भर्ती किए गए 60,244 पुलिसकर्मियों को प्रदेश के भीतर ही प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नवनियुक्त पुलिसकर्मी प्रशिक्षण पूर्ण कर नवरात्रि के तुरंत बाद फील्ड में उतरेंगे और प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएंगे।पहले उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग समेत अन्य संस्थानों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगते थे और समय पर भर्ती नहीं हो पाती थी। प्रदेश में कई फॉरेंसिक साइंस लैब , स्टेट फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई है, स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स का गठन किया गया है। पिछली सरकारों के दौरान उपेक्षित पड़ी पीएसी की 34 कंपनियों को पुनर्जीवित किया गया है, जिससे प्रदेश की सुरक्षा क्षमता में बड़ा इजाफा हुआ है। पहली बार उत्तर प्रदेश पीएसी में तीन महिला बटालियनों का गठन किया गया है।

नए सांसदों को हमेशा सीखना चाहिए-प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,एजेंसी। राज्यसभा से आज कई सदस्य रिटायर हो रहे हैं। खाली होने वाली इन सीटों पर कई सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। आज राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सभी सदस्यों के संसदीय जीवन और कार्यकाल को रेखांकित किया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिटायर हो रहे सभी सदस्यों की भूमिका को लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने वाला बताते हुए उनकी प्रशंसा की। साथ ही विदाई सत्र में पीएम मोदी ने अपने भाषण में कहा कि सदन एक ओपन यूनिवर्सिटी जैसी है। नए सांसदों को हमेशा सीखना चाहिए। पीएम मोदी ने आगे कहा कि सदन के अंदर अनेक विषयों पर चर्चाएं होती हैं, हर किसी का महत्वपूर्ण योगदान होता है, कुछ खट्टे मीठे अनुभव भी रहते हैं। लेकिन, जब ऐसा अवसर आता है, तो स्वाभाविक रूप से पार्टी की भावना से ऊपर उठकर हम सबके भीतर एक जैसा भाव प्रकट होता है कि हमारे ये साथी अब किसी और विशेष काम के लिए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ सांसद फिर से सदन में लौट सकते हैं, जबकि कुछ सामाजिक जीवन में अपने अनुभव का उपयोग करेंगे। जो नेता अब वापस सदन में नहीं आएंगे, उनके लिए मैं कहुंगा कि राजनीति में कभी फुल स्टॉप नहीं होता, उनका योगदान हमेशा देश के लिए मूल्यवान रहेगा। पीएम मोदी ने सभी सांसदों से कहा कि दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर एक-दूसरे का सम्मान करना और अनुभव साझा करना ही लोकतंत्र की असली ताकत है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में वरिष्ठ नेताओं के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने एचडी देवेगौड़ा, मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा संसदीय सेवा में समर्पित किया है।

गौरव भाटिया का राहुल गांधी पर तंज

मोहब्बत की दुकान में सिर्फ राष्ट्र-विरोधी बातें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी ने कथित तौर पर अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट का समर्थन किया है। इस रिपोर्ट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अनुसंधान एवं विश्लेषण विंग पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई है। नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाटिया ने कहा कि एक बार फिर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिखा दिया है कि जिसे वे मोहब्बत की दुकान कहते हैं, उसमें सिर्फ राष्ट्रविरोधी बातें हैं। जनता भी उनसे गंभीर सवाल पूछ रही है। वे एक समझदार व्यक्ति हैं। तो क्या वे जानबूझकर भारत का विरोध करते हैं और उनकी मानसिकता भारत विरोधी है?

अपना हमला जारी रखते हुए भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी जिस रिपोर्ट का समर्थन कर रहे है, जिसके लिए वो पोस्ट कर रहे हैं, क्या उस रिपोर्ट को पढ़ने का समय उन्होंने निकाला। अपरिपक्व होना एक बात है, लेकिन भारत विरोधी हो जाना और वो भी नेता प्रतिपक्ष का, ये चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान RAW से थर-थर कांपता है और हमेशा भारत और RAW का विरोध करता है। पाकिस्तान जिसका विरोध करता है, भारत का नेता प्रतिपक्ष भी सरक-सरककर पाकिस्तान के साथ खड़ा हो गया और RAW का विरोध कर रहा है। ये बहुत ही चिंताजनक है।

हाल ही में कांग्रेस द्वारा ग पर प्रकाशित एक पोस्ट का हवाला देते हुए, जिसमें USCIRF की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए RAW पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी, भाटिया ने बताया कि रिपोर्ट में RAW पर भी प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई थी, जिसका भाजपा ने राहुल गांधी द्वारा समर्थन करने का आरोप लगाया था। उन्होंने इस समर्थन को गंभीर रूप से चिंताजनक बताया। कांग्रेस के ट्वीट में कहा गयारू "अमेरिका को आरएसएस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। यह सिफारिश अमेरिकी सरकार की आधिकारिक संस्था यूएससीआईआरएफ ने डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन को की थी।

धन-बल के उपयोग का लगाया आरोप-संजय राउत

मुंबई,एजेंसी। बिहार में राज्यसभा चुनाव के दौरान हुई क्रॉस वोटिंग पर राजनीति थम नहीं रही है। विपक्ष लगातार भाजपा पर विधायकों को तोड़ने का आरोप लगा रहा है। मामले में अब शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मीडिया वार्ता में कहा कि भाजपा पैसे के दम पर चुनाव जीतना चाहती है। संजय राउत ने कहा कि भाजपा ने पैसे और सत्ता का इस्तेमाल करके हरियाणा, बिहार और ओडिशा में क्रॉस-वोटिंग करवाई है। उन्होंने ओडिशा का जिक्र करते हुए कहा कि वहां एक ऐसे व्यक्ति को चुनवाया गया जिस पर कोयला घोटाले का आरोप है। उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज है और अदालत ने उसे तीन साल की जेल की सजा सुनाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए यह कोई नई बात नहीं है। खुद को नीतिवान बताने वाली भाजपा को शर्म आनी चाहिए। वे पैसे देकर देश के सबसे बड़े सदन में खेल करते हैं और विधायकों को खरीद लेते हैं। राउत ने कहा कि भाजपा को इसमें मजा आ रहा है, लेकिन देश के लोगों को इसकी सजा मिल रही है। विपक्ष एकजुट है, फिर भी सत्ता के बल पर विधायक खरीदे जा रहे हैं।

केंद्रीय संचार मंत्री सिंधिया ने कहा-

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत बन रहा वैश्विक टेलीकॉम शक्ति

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज, बुधवार संसद में देश के टेलीकॉम सेक्टर में आई ऐतिहासिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दूरसंचार के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। साथ ही बीएसएनएल को लेकर एक प्रश्न पर उत्तर देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि इसके निजीकरण का कोई प्रश्न नहीं उठता। यह संस्था जनता की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेगी। उन्होंने कहा कि जहां एक समय डेटा की औसत कीमत 290 रुपये हुआ करती थी, वह आज घटकर मात्र 8 रुपये रह गई है, जो लगभग 97प्रतिशत की कमी को दर्शाता है। 5जी नेटवर्क आज देश के 99.9प्रतिशत जिलों तक पहुंच चुका है और 120 करोड़ उपभोक्ताओं में से 40 करोड़ लोग 5ळ सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दुनिया के सबसे तेज 5जी विस्तारों में से एक है, जिसने भारत को डिजिटल क्रांति के अग्रणी देशों में खड़ा किया है।

केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि ठैछस् के निजीकरण का कोई मुद्दा नहीं है और यह पूरी तरह देश की जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 18 वर्षों बाद पहली बार ठैछस् ने 2024-25 में लगातार दो तिमाहियों में 280 करोड़ और 262 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। साथ ही ठैछस् के उपभोक्ताओं की संख्या जून 2024 में 8.5 करोड़ से बढ़कर 9.27 करोड़ हो गई है। राजस्थान में ठज्ै अपटाइम भी 92प्रतिशत से बढ़कर 97प्रतिशत हो गया है, जो सेवा गुणवत्ता में सुधार का संकेत है।

इसके अलावा एक प्रश्न के उत्तर में सिंधिया ने सीमावर्ती क्षेत्रों में कनेक्टिविटी को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 2014 में केवल 42प्रतिशत सीमावर्ती गांवों में टेलीकॉम सुविधा उपलब्ध थी, जो आज बढ़कर 98प्रतिशत हो गई है। 17,600 में से 17,222 गांवों को कनेक्टिविटी से जोड़ा जा चुका है। उन्होंने बताया कि सरकार ने सीमावर्ती इलाकों में अपने पुराने नियमों में व्यापक बदलाव किए हैं, जिनमें सिग्नल फेड-आउट क्लॉज को समाप्त करना, डिस्टेंस प्रतिबंधों में ढील और राइट ऑफ वे नियमों को सरल बनाना शामिल है। राजस्थान में भी 1,322 सीमावर्ती गांवों में से 1,285 गांवों को कनेक्टिविटी से जोड़ा जा चुका है, जबकि शेष गांवों को 4जी सैचुरेशन योजना के तहत कवर किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप 'वाइब्रेंट विलेज' योजना के तहत सीमावर्ती गांवों को देश के "पहले गांव" के रूप में विकसित किया जा रहा है। उत्तराखंड में 705 में से 684 गांवों को टेलीकॉम कनेक्टिविटी मिल चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने पहली बार स्वदेशी 4ळ टेलीकॉम स्टैक विकसित कर वैश्विक स्तर पर अपनी तकनीकी क्षमता साबित की है। ठैछस् के माध्यम से 1 लाख स्वदेशी 4ळ टावर स्थापित किए जा चुके हैं और आगे 22,000 टावर और लगाए जाएंगे।

भारतीय रेलवे में बढ़े नॉन-एसी कोच, सरकार दे रही 45 प्रतिशत तक सब्सिडी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय रेलवे यात्रियों को किफायती यात्रा उपलब्ध कराने के लिए नॉन-एसी जनरल और स्लीपर कोच की संख्या बढ़ा रहा है। सरकार के अनुसार, किराए को कम रखने के लिए प्रति यात्री औसतन करीब 45 प्रतिशत की सब्सिडी दी जा रही है। रेल मंत्रालय के मुताबिक, कुल कोचों में करीब 70 प्रतिशत जनरल और स्लीपर क्लास के हैं। इसके अलावा, 2024-25 में लगभग 1,250 नए जनरल कोच जोड़े गए हैं और 2025-26 में करीब 860 और कोच जोड़े जाने की योजना है। रेलवे हर साल यात्रियों को करीब 60,000 करोड़ रुपए की सब्सिडी देता है। वहीं, मुंबई जैसे उपनगरीय इलाकों के लिए करीब 3,000 करोड़ रुपए की अतिरिक्त सब्सिडी दी जाती है।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि माल ढुलाई (फ्रेट) में भी बड़ा इजाफा हुआ है। यह 2013-14 के 1,055 मिलियन टन से बढ़कर अब लगभग 1,650 मिलियन टन हो गया है, जिससे भारतीय रेलवे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा फ्रेट कैरियर बन गया है। उन्होंने कहा कि रेलवे का विद्युतीकरण तेजी से बढ़ा है और अब लगभग 47,000 किलोमीटर ट्रैक इलेक्ट्रिफाई हो चुका है, यानी नेटवर्क का 99 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा बिजली से चल रहा है। ट्रैक निर्माण में भी तेजी आई है। पहले जहां करीब 15,000 किलोमीटर ट्रैक बनाए गए थे, वहीं अब यह बढ़कर करीब 35,000 किलोमीटर हो गया है। सुरक्षा के लिहाज से भी रेलवे ने बड़ा काम किया है।

पिनाका रॉकेट का सफल परीक्षण

पोखरण,एजेंसी। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की तरफ देश ने एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। राजस्थान के पोखरण में सोलर ग्रुप ने पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट्स का सफल परीक्षण करके रक्षा क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। कंपनी ने पहली बार पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट के दो उत्पादन बैचों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। यह महत्वपूर्ण परीक्षण राजस्थान की पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में किया गया। सोलर ग्रुप ने बताया कि इस दौरान कुल 24 पिनाका एनहैंस्ड रॉकेट्स का परीक्षण किया गया। इन रॉकेट्स की सटीकता, स्थिरता और मारक क्षमता को परखा गया।

देवेगौड़ा पर खरगे की चुटकी, मोहब्बत हमारे साथ, शादी मोदी साहब के साथ, पीएम भी नहीं रोक पाए हंसी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की एक चुटीली टिप्पणी ने संसद में चल रही गंभीर बहस को हंसी के माहौल में बदल दिया। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा पर उनके व्यंग्यात्मक कटाक्ष ने प्रधानमंत्री को भी मुस्कुराने पर मजबूर कर दिया। संसद की कार्यवाही के दौरान, खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा में दिए गए देवेगौड़ा के बयान पर हल्के-फुल्के अंदाज में तंज कसा। शब्दों का चतुराई से प्रयोग करते हुए खरगे ने कहा कि देवेगौड़ा विपक्ष के साथ साझेदारी तो चाहते हैं, लेकिन भाजपा के साथ विवाह करना चाहते हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, प्रेम हमारे साथ, शादी मोदी जी के साथ, जिससे सदन में हंसी गूंज उठी। खड़गे ने कहा कि मैं देवेगौड़ा जी को 54 वर्षों से अधिक समय से जानता हूँ और मैंने उनके साथ बहुत काम किया है। बाद में, मुझे नहीं पता क्या हुआ.वो मोहब्बत हमारे साथ कीजिए, शादी मोदी साहब के साथ।

खरगे की यह उपमा विपक्ष द्वारा हाल के दिनों में देवेगौड़ा और उनकी पार्टी से मिल रहे मिले-जुले संकेतों की ओर इशारा करती है। विपक्षी दलों से संबंध बनाए रखते हुए, देवेगौड़ा ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की प्रशंसा में भी बयान दिए हैं, जिससे राजनीतिक प्रतिक्रियाएं उत्पन्न हुई हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने उच्च सदन से सेवानिवृत्त होने वाले सांसदों को विदाई देने में भाग लिया और इस बात पर जोर दिया कि लोक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता औपचारिक पदों से परे भी जारी रहती है।

प्रधान डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी, मची अफरा–तफरी, कर्मचारी बाहर भागे

प्रयागराज। प्रयागराज के प्रधान डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मेल करने वाले ने लिखा कि दोपहर 2.10 बजे ब्लास्ट होगा। इसकी जानकारी मिलते ही डाकघर मे अफरा–तफरी मच गई। प्रयागराज के प्रधान डाकघर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मेल करने वाले ने लिखा कि दोपहर 2.10 बजे ब्लास्ट होगा। इसकी जानकारी मिलते ही डाकघर मे अफरा–तफरी

मच गई। लोग जान बचाकर आफिस से बाहर भाग निकले। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉयड टीम मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रही है। मेल करने वाले ने लिखा कि आपके पासपोर्ट, डाक परिसर और वॉशरूम में 19 सायनाइड गैस से भरे बम रखे गए हैं। जो दोपहर 2रू10 बजे फटेंगे। सभी को तुरंत बाहर निकालें और नाक और मुंह ढक लें।

विवाद के बाद पत्नी की धारदार हथियार से कर दी हत्या, आरोपी पति गिरफ्तार

प्रयागराज। गंगापार इलाके के सरायइनायत थाना क्षेत्र के वारी ग्रामसभा के पट्टी छींट गांव में सनसनीखेज मामला सामने आया है। पति ने धारदार हथियार से पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना का कारण घरेलू कलह बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। सरायइनायत थाना क्षेत्र के वारी ग्रामसभा के पट्टी छींट गांव में पति ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। मृतका की पहचान संगीता देवी उम्र (32) के रूप में हुई है। आरोपी पति शैलेश पेंटिंग का काम करता है। मृतका के दो बच्चे हैं। बड़ा बेटा शिवम जबकि छोटा बेटा सिद्धार्थ है। घटना बीती रात घर के अंदर हुई है।हत्या के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

बुधवार की सुबह जब पड़ोसी अनुपमा, संगीता को बुलाने पहुंची तो कोई जवाब नहीं मिला। उसके बाद उन्होंने पास जाकर देखा तो वह मृत अवस्था में पड़ी थी। इसके बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची सरायइनायत व सहसों पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका का मायका फूलपुर थाना क्षेत्र के शेखपुर गांव में है। घटन की जानकारी होने पर मृतका की बहन संतरा देवी और छब्बी देवी घटनास्थल पर पहुंच गई। मौके से फरार आरोपी पति को पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर गिरफ्तार कर लिया है। मृतका के भाई संतोष कुमार ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग किया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट से प्रथम दृष्टया कोर्ट की गरिमा को पहुंची ठेस

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर अदालत के खिलाफ की गई आपत्तिजनक पोस्ट से प्रथम दृष्टया अदालत की बेइज्जती हुई है और न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंची है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर अदालत के खिलाफ की गई आपत्तिजनक पोस्ट से प्रथम दृष्टया अदालत की बेइज्जती हुई है और न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंची है। अगर लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के खिलाफ कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट एक्ट के तहत

कार्रवाई की जाएगी। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने आरोपी दीपक सिंह व संतोष कुमार सिंह को नोटिस जारी किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा व न्यायमूर्ति प्रशांत मिश्रा प्रथम की खंडपीठ ने जिला न्यायालय के न्यायिक अधिकारियों के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर दायर अवमानना अर्जी पर दिया है।

वर्तमान में दोनों आरोपी प्रयागराज के नैनी जेल में बंद हैं। इसलिए अदालत ने जेल अधीक्षक के माध्यम से उन्हें नोटिस तामील कराने का निर्देश दिया है। जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया गया है। कोर्ट ने यह भी सुनिश्चित किया है कि यदि आरोपी अपना वकील करने में असमर्थ रहते हैं तो हाईकोर्ट कानूनी सेवा समिति उन्हें वकील उपलब्ध कराएगी।

इसके अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर प्रयागराज को साइबर सेल की मदद से उस मुख्य आरोपी का पता लगाने का निर्देश दिया गया है, जिसने इन आरोपियों को ऐसी अपमानजनक सामग्री पोस्ट करने के लिए उकसाया था। मामले की अगली सुनवाई दो अप्रैल को होगी।

गैंगस्टर में कुर्क संपत्ति को लेकर सांसद अफजाल की बेटी हाईकोर्ट पहुंची, राज्य से तीन हफ्ते में जवाब तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी की बेटी नुसरत अंसारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी की बेटी नुसरत अंसारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति सीडी सिंह और न्यायमूर्ति देवेंद्र सिंह की खंडपीठ ने दिया है। याचिका में मांग की गई है कि गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की गई गाजीपुर के मोहम्मदाबाद के शकूरपुर मौजा स्थित संपत्ति को मुक्त करने के लिए जिलाधिकारी गाजीपुर को निर्देश दिया जाए। याची का कहना है कि संबंधित संपत्ति को विशेष अदालत एमपी/एमएलए की ओर से 17 सितंबर 2025 को जारी आदेश से कुर्क किया गया था। इसके खिलाफ 12 जनवरी 2026 को जिलाधिकारी के समक्ष संपत्ति रिलीज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया, लेकिन अब तक उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

संसद में गूंजी संगमनगरी की आवाज, सूबेदारगंज का नाम प्रयागराज कैंट करने का प्रस्ताव

प्रयागराज। संगमनगरी के रेल बुनियादी ढांचे और यात्री सुविधाओं को लेकर इलाहाबाद लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने संसद में जोरदार पैरवी की।

संगमनगरी के रेल बुनियादी ढांचे और यात्री सुविधाओं को लेकर इलाहाबाद लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने संसद में जोरदार पैरवी की। लोकसभा सदन में अपनी बात रखते हुए सांसद ने प्रयागराज की कनेक्टिविटी को देश के अन्य महानगरों से जोड़ने और स्थानीय स्टेशनों के कायाकल्प के लिए रेल मंत्री के समक्ष कई प्रस्ताव रखे।

उन्होंने सूबेदारगंज स्टेशन का नाम बदलने का प्रस्ताव रखा। कहा कि सूबेदारगंज स्टेशन को लेकर बाहर से आने वाले यात्रियों में भ्रम की स्थिति होती है। उन्होंने मांग की कि इस स्टेशन का नाम बदलकर प्रयागराज कैंट किया जाए ताकि इसकी पहचान स्पष्ट हो सके। प्रयागराज–मुंबई दुरंतो को सप्ताह में दो दिन की जगह प्रतिदिन चलाने और प्रयागराज–अहमदाबाद सुपरफास्ट को एक दिन के बजाय सप्ताह में तीन दिन चलाए जाने का प्रस्ताव रखा।

हरिद्वार एक्सप्रेस को रोजाना चलाने और इसमें एसी कोच बढ़ाने, सुबह के वक्त लखनऊ के लिए एक नई वंदे भारत ट्रेन शुरू करने का भी प्रस्ताव दिया। प्रयागराज से पुणे होते हुए बंगलूरू के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने की भी बात कही। सांसद ने यह भी कहा कि प्रयागराज ने देश को पांच प्रधानमंत्री दिए, लेकिन यहां के रेलवे स्टेशनों का अपेक्षित विकास नहीं हो सका।

एक शहर, एक रेलवे जोन की वकालत

प्रयागराज में अलग–अलग रेलवे जोन के दखल को कम करने के लिए सांसद ने मांग की कि उत्तर रेलवे के प्रयाग जंक्शन, प्रयागराज संगम, फाफामऊ और पूर्वोत्तर रेलवे के प्रयागराज रामबाग एवं झूंसी स्टेशनों का विलय उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) में कर दिया जाए। इससे प्रशासनिक तालमेल बेहतर होगा।

सांसद ने इस बात पर चिंता जताई कि प्रयागराज जैसे महत्वपूर्ण शहर में सियालदह राजधानी और अगरतला राजधानी जैसी दो दर्जन से अधिक प्रीमियम ट्रेनों का ठहराव नहीं है। उन्होंने मांग की कि प्रयागराज जंक्शन पर सभी महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित किया जाए।

प्रयागराज ने देश को कई प्रधानमंत्री दिए पर स्टेशन का कायाकल्प मोदी सरकार ने किया

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में बजट चर्चा के दौरान प्रयागराज रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास को लेकर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने दशकों की सियासी निष्क्रियता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस शहर ने देश को कई प्रधानमंत्री दिए, वहां के रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाओं के लिए दशकों तक इंतजार क्यों करना पड़ा। सदन को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि प्रयागराज ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से देश का हृदय स्थल रहा है।

उन्होंने सीधे तौर पर कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए पूछा कि एक माननीय सांसद ने प्रयागराज की बात की और कहा कि वहां से कई प्रधानमंत्री आए। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि अगर इतने प्रधानमंत्री आए तो कांग्रेस के किसी प्रधानमंत्री ने प्रयागराज स्टेशन का नवनिर्माण करने का काम हाथ में क्यों नहीं लिया। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि जंक्शन का कायाकल्प केवल रंग–रोगन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे एक सिटी सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है।

यहां विशाल रूफ प्लाजा और परिवहन के अन्य साधनों के साथ निर्बाध कनेक्टिविटी दी जाएगी। आगामी महाकुंभ को देखते हुए रेल मंत्रालय मिशन मोड में काम कर रहा है, ताकि करोड़ों श्रद्धालुओं को गरिमापूर्ण अनुभव मिल सके। वर्तमान सरकार का दृष्टिकोण छोटे–मोटे बदलाव करना नहीं, बल्कि रेलवे अनुभव का पूर्ण कायाकल्प करना है। हम विरासत और आधुनिकता को एक साथ जोड़ रहे हैं।

15 वर्षीय नाबालिग ने गर्भपात से किया इन्कार, अब शिशु को गोद देने का निर्णय

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान 15 वर्षीय नाबालिग ने अपने 32 सप्ताह के गर्भ को जारी रखने का निर्णय लिया है। पीड़िता ने बच्चे को जन्म के बाद गोद देने पर सहमति जताई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान 15 वर्षीय नाबालिग ने अपने 32 सप्ताह के गर्भ को जारी रखने का निर्णय लिया है। पीड़िता ने बच्चे को जन्म के बाद गोद देने पर सहमति जताई है। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ पीड़िता की ओर से गर्भ समाप्त करने की मांग में दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

अदालत ने जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण हाथरस के सचिव की ओर से पेश की गई विस्तृत रिपोर्ट का संज्ञान लिया, जो पीड़िता के शारीरिक और मानसिक मूल्यांकन पर आधारित थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि इस चरण में गर्भपात संभव है, जिसमें जेएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर अंजुम परवेज और विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ शामिल थे।

लेकिन ऐसा करना मां और शिशु के जीवन को संकट में डाल सकता है। वर्तमान में पीड़िता अलीगढ़ स्थित मेडिकल कॉलेज में है।

न्यायालय को मेडिकल बोर्ड का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ, अदालत ने जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) सचिव और मेडिकल पैनल से उन परिस्थितियों और दिशा निर्देशों पर विस्तृत सुझाव मांगे हैं, जो भविष्य में इस तरह के जटिल मामलों से निपटने के लिए एक मानक के रूप में कार्य कर सकें।

इसके साथ ही, सरकारी वकील की ओर से पीड़िताओं के लिए चिकित्सा देखभाल से संबंधित मानक संचालन प्रोटोकाल और स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा निर्देशों को भी रिकॉर्ड पर रखा गया है। अदालत ने इन सभी पहलुओं और मेडिकल बोर्ड के सुझावों को शामिल करते हुए एक विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 27 मार्च को निर्धारित की गई है। उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के अधिवक्ता आशुतोष गुप्ता ने हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगा है।

डी एम व एस पी को भयहरण नाथ धाम में हुए सत्याग्रह की रिपोर्ट महासचिव ने किया प्रेषित

राजस्व विभाग द्वारा अपेक्षित कार्यवाही नही होने पर 22 मार्च को पुनः होगा सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह कब्जा व मनमाने पन से निजात दिलाने की हुई अपील देवता की भूमि देवता को वापस होने तक जारी रहेगा रचनात्मक अभियान – समाज शेखर

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम का प्राचीन अस्तित्व वापस लाने के लिए प्रबन्ध संस्था व स्थानीय समाज पूरी तरह से संकल्प बद्ध होकर आगे बढ़ रही है। वहीं एक निहित स्वार्थी पुजारी का सहारा लेकर कुछ लोग अपने निजी स्वार्थ में मनमाना पन करने पर उतारू है। वजह साफ है कि धाम कि प्रसिद्धी पिछले 25 साल में स्थानीय समाज के साझा कोशिशो से बढ़ी है अब शासन की योजनाए प्रस्तावित है अस्तु निजीहित साधने हेतु कुछ

लोग धाम की नियमित गतिविधियों में अनावश्यक हस्तक्षेप कर रहे है। भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि 15 मार्च को हुए सत्याग्रह की आख्या से जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक महोदय को अवगत कराते हुए सहयोग व मार्गदर्शन की मांग की गई है। आख्या में कहा गया है कि राजस्व विभाग द्वारा अभी तक ठोस सहयोग व अपेक्षित कार्यवाही नही की गई है। ऐसे मे यदि 21 मार्च से पूर्व कोई कार्यवाही नही की जाती तब हम सब पुनः सामाजिक सत्याग्रह हेतु मजबूर होंगे। जिसमे स्थानीय जन प्रतिनिधियों को भी सहभागिता व सहयोग हेतु आमंत्रित किया जायेगा। महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने कहा है कि धाम व धाम से जुड़ी प्राचीन प्राकृतिक भू संपत्तियां भयहरण महादेव (देवता) की संपत्ति है जिसे गलती से कोई अपना बना भी लिया है तो उसे देवता को लौटाना ही होगा। उन्होंने कहा की वर्तमान राजस्व रिकार्ड में दर्ज भूमि के साथ भू माफियाओ व राजस्व विभाग द्वारा की गई छेड़ छाड़ सार्वजनिक भूमि के प्रति समाज व व्यवस्था की दशा को स्पष्ट करता है। समाज शेखर ने बताया कि देवता की वर्तमान व प्राचीन भू संपत्तियों को वापस लाने हेतु निरंतर रचनात्मक अभियान जारी रहेगा। 22 मार्च को पुनः सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह करके आगे की योजना तय होगी। अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्य वाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह ने सभी भक्तों व सदस्यों से सहयोग व सहभागिता की अपील की है।

मदद फाउंडेशन की अनोखी पहल: प्रयागराज में निराश्रितों के लिए शुरू हुआ मुफ्त जूते–चप्पल वितरण अभियान

अरविन्द पाण्डेय, प्रयागराज। सभीषण गर्मी में फुटपाथों पर जीवन यापन करने वाले निराश्रित, असहाय और दिव्यांग लोगों के लिए मदद फाउंडेशन ने एक सराहनीय पहल शुरू की है। संस्था द्वारा ऐसे जरूरतमंद लोगों को निशुल्क जूते और चप्पल वितरित करने का अभियान प्रारंभ किया गया है, ताकि तपती सड़कों और फुटपाथों पर नंगे पैर चलने की मजबूरी से उन्हें राहत मिल सके।

'गर्मी में नंगे पैर चलने की मजबूरी से मिलेगी राहत'

मदद फाउंडेशन के संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य उन लोगों तक राहत पहुंचाना है, जिनके पास जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की भी कमी है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में सड़क और फुटपाथ का तापमान काफी बढ़ जाता है, जिससे नंगे पैर रहने वाले लोगों के पैरों में घाव और कई तरह की गंभीर समस्याएं हो जाती हैं। ऐसे में जूते–चप्पल उपलब्ध कराना उनके लिए बड़ी राहत साबित हो सकता है।

''रविवार की रसोई' से सैकड़ों जरूरतमंदों को मिल रहा भोजन'

मदद फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों की सेवा में सक्रिय है। संस्था द्वारा संचालित "रविवार की रसोई" अभियान के माध्यम से हर रविवार शहर के विभिन्न स्थानों पर फुटपाथों पर रहने वाले सैकड़ों जरूरतमंदों को निशुल्क भोजन और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाता है।

'शहर में लगाई गईं शुद्ध पेयजल की टंकियां'

संस्था की सामाजिक पहल केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है। गत वर्ष प्रयागराज में जल निगम और नगर निगम के सहयोग से शहर के कई स्थानों पर शुद्ध पेयजल की टंकियां स्थापित कराई गई थीं, जिससे प्रतिदिन हजारों लोग लाभान्वित हुए।

संस्था का लक्ष्य है कि इस वर्ष भी जिलाधिकारी, महापौर और जल निगम के सहयोग से पूरे शहर में पेयजल टंकियों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भीषण गर्मी के दौरान आमजन को राहत मिल सके।

'बिना सरकारी अनुदान के चल रहे सेवा कार्य'

संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि मदद फाउंडेशन को इन सेवा कार्यों के लिए किसी भी प्रकार का सरकारी अनुदान नहीं मिलता। संस्था के सदस्य अपनी आय का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा समाजसेवा के लिए समर्पित करते हैं, जिससे रविवार की रसोई और अन्य सामाजिक अभियान निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। मदद फाउंडेशन का मानना है कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाना केवल सामाजिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। संस्था की यह पहल न केवल निराश्रित लोगों को राहत दे रही है, बल्कि समाज में सेवा, संवेदना और सहयोग की भावना को भी मजबूत कर रही है।

हाईकोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग से ग्राम पंचायत चुनाव कराने के लिए मांगी विस्तृत रूपरेखा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पंचायतों का कार्यकाल उनकी पहली बैठक से पांच वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता। वर्तमान में प्रदेश की ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 26 मई 2026 को समाप्त हो रहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पंचायतों का कार्यकाल उनकी पहली बैठक से पांच वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता। वर्तमान में प्रदेश की ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 26 मई 2026 को समाप्त हो रहा है। कोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग से पूछा है कि समय सीमा के भीतर चुनाव प्रक्रिया पूरी करने की स्थिति है या नहीं। अगली सुनवाई तक चुनाव संपन्न कराने का पूरा समयबद्ध कार्यक्रम प्रस्तुत करे। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन और न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन की खंडपीठ ने अधिवक्ता इम्तियाज हुसैन की याचिका पर दिया है। प्रयागराज निवासी याची ने निर्धारित समय पर चुनाव कराए जाने की मांग की है। उन्होंने इनपर्सन कोर्ट में दलील दी कि उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायतों की पहली बैठक 27 मई 2021 को हुई थी, जिसके अनुसार पांच साल का सांविधानिक कार्यकाल 26 मई 2026 को समाप्त हो जाएगा। निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के प्रकाशन की तारीखों में बार–बार बदलाव किया है। मतदाता सूची का प्रकाशन अब 15 अप्रैल 2026 तक बढ़ा दिया गया है। यदि मतदाता सूची ही अप्रैल के मध्य तक फाइनल होगी तो परिसीमन, आरक्षण और वास्तविक मतदान की प्रक्रिया 26 मई तक पूरा कर पाना असंभव हो जाएगा। यह सांविधानिक नियमों का उल्लंघन होगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्णय हिंदी में भी होंगे उपलब्ध, सभी नॉन–एएफआर आदेशों का किया जाएगा अनुवाद

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने न्याय को आमजन तक सहज और समझने योग्य बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की है। 160वें स्थापना दिवस पर हाईकोर्ट ने कहा कि उसके निर्णय केवल अंग्रेजी तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि हिंदी में भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने न्याय को आमजन तक सहज और समझने योग्य बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की है। 160वें स्थापना दिवस पर हाईकोर्ट ने कहा कि उसके निर्णय केवल अंग्रेजी तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि हिंदी में भी उपलब्ध कराए जाएंगे। 17 मार्च से सभी नॉन–एएफआर अंतिम निर्णयों और आदेशों का हिंदी में अनुवाद किया जाएगा।

यह नई व्यवस्था इलाहाबाद मुख्य पीठ और लखनऊ खंडपीठ दोनों पर लागू होगी। इसके तहत तीन पृष्ठ या उससे अधिक के नॉन–एएफआर अंतिम फैसलों और आदेशों का हिंदी अनुवाद किया जाएगा जिससे वादियों, अधिवक्ताओं और आम नागरिकों को न्यायालय के निर्णयों को समझने में आसानी होगी। अब तक केवल कुछ सीमित श्रेणियों के निर्णयों का ही हिंदी अनुवाद किया जाता था लेकिन इस पहल के बाद व्यापक स्तर पर फैसलों को हिंदी में उपलब्ध कराया जाएगा।

इसके साथ ही एएफआर (प्रकाशन योग्य) निर्णयों और उत्तर प्रदेश, मुंबई हाईकोर्ट और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के मामलों के फैसलों का भी हिंदी अनुवाद किया जा रहा है। न्यायालय प्रशासन के अनुसार, सभी अनुवादित निर्णय उसकी आधिकारिक वेबसाइट पर डिजिटल रूप में उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे कोई भी व्यक्ति उन्हें आसानी से पढ़ और समझ सकेगा।

नगर निगम प्रयागराज में हर्षोउल्लास के साथ सम्पन्न हुआ होली मिलन समारोह (फूलों की होली)

प्रयागराज। नगर निगम कर्मचारी एसोसिएशन प्रयागराज/नगर निगम परिवार द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 18.03.2026 को नगर निगम मुख्यालय स्थित सभागार में होली मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित कराया गया, जिसमें अपर

नगर आयुक्त श्री राजीव शुक्ला, श्री दीपेन्द्र यादव, संजय कटियार, मा० पार्षदगण श्रीमती कुसुम लता, दीपिका पटेल, आशीष द्विवेदी, दिलीप जैसवाल, नामित पार्षद श्री अखिलेश सिंह, राजेश कुशवाहा एवं नगर निगम के समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव ने किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष महासंघ उत्तर प्रदेश लखनऊ ने महामंत्री अरविन्द त्रिपाठी एवं सचिव कमल कुशवाहा तथा अन्य पदाधिकारी के साथ मंच पर उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं माननीय पार्षदों का माल्यार्पण, साल व पटुका पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया स कार्यक्रम में उपस्थित समस्त लोगों द्वारा भव्य फूलों की होली खेली गयी, मनमोहक राधा–कृष्ण झांकी के साथ–साथ गुझिया एवं ठंडई का भरपूर आनन्द लिया गया स अंत मे यह कहा गया कि इस तरह के कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष होते रहेंगे।

कलश यात्रा के साथ आरंभ हुआ चौदह दिवसीय अनुष्ठान

सद्भाव एवं समरसता के साथ संस्कृति की रक्षा को रहें अग्रसरः स्वामी पूर्णानंदपुरी जी महाराज

अलीगढ। माँ दुर्गा को समर्पित नवरात्रि महापर्व एवं नवसंवत्सर के उपलक्ष्य में आरंभ होने वाले विशाल शतचंडी महायज्ञ की शोभायात्रा बड़े धूमधाम से निकाली गयी। शोभायात्रा में भजनों पर नाचते गाते सभी भक्तों ने विभिन्न स्थानों से होते हुए आश्रम पर विराम लिया। बुधवार को वैदिक ज्योतिष संस्थान के तत्वावधान में जी.टी रोड चिकावटी स्थित विश्व कल्याण सेवा संस्थान के उपक्रम श्री विद्या धाम आश्रम पर महामंडलेश्वर स्वामी श्री पूर्णानंदपुरी जी महाराज के सानिध्य में आचार्य गौरव शास्त्री द्वारा होने वाले चौदह दिवसीय विशाल श्री शतचंडी महायज्ञ एवं कन्या पूजन समारोह के तहत सांय 04.00 बजे भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया जिसका शुभारम्भ स्वामी श्री पूर्णानंदपुरी जी महाराज एवं ठाकुर धीरू सिंह ने संयुक्त रूप से किया। शोभायात्रा में चिकावटी एवं क्षेत्र के गाँवों से जुड़ी लगभग 100 महिलाओं ने

पीत वस्त्रों में गंगाजल युक्त कलश को अपने सर पर रख कर राम नाम एवं माँ दुर्गा के जयघोष के साथ आश्रम से प्रारंभ करते हुए चिकावटी ग्राम में भ्रमण किया, वहीं अन्य श्रद्धालुओं ने हाथ में ध्वज पताका लेकर हरिनाम संकीर्तन के साथ डी.जे के भजनों पर नाचते थिरकते हुए भक्ति में सराबोर होकर पुष्पों की वर्षा भी की।शोभायात्रा की अगुआई करते हुए वैदिक ज्योतिष संस्थान एवं विश्व कल्याण सेवा संस्थान के प्रमुख स्वामी श्री पूर्णानंदपुरी जी महाराज ने कहा कि चैत्र नवरात्रि के साथ ही सनातन के नववर्ष का आरंभ हो जाता है। उन्होंने कहा कि नए संवत्सर का नाम रौद्र रहेगा जिसके प्रभावस्वरूप वैश्विक पटल पर आपसी टकराव के चलते जहाँ देश में संकट की स्थिति पनप रही है, अतः आपसी सद्भाव एवं सभी की मंगलमय कामना हेतु माँ दुर्गा के पावन दिनों में शतचंडी महायज्ञ के द्वारा सकारात्मक स्थितियाँ देखने को मिलेगी। कलशयात्रा के विषय में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि सनातन एकता एवं अखंडता की भावना लेकर आरंभ की जाने वाली इस शोभायात्रा में कलश को सृष्टि, समृद्धि और जीवन का प्रतीक माना गया है। इसमें भरा जल जीवन तत्व का प्रतिनिधित्व करता है,नारियल को देवी–देवताओं का आसन माना जाता है। जब यह कलश यात्रा के रूप में पूरे क्षेत्र में घुमाया जाता है, तो यह एक तरह से दिव्य ऊर्जा का संचार करता है।यह शोभायात्रा धार्मिक क्रिया के साथ सामाजिक समरसता का माध्यम भी है। गाँव में भ्रमण के दौरान जगह जगह जल की व्यवस्था भी की गयी थी। अगले दिन की जानकारी देते हुए मुख्य संयोजक तेजवीर सिंह ने बताया कि प्रातः कालीन बेला में कलश पूजन एवं स्थापना के बाद महायज्ञ में अरनी मंथन आचार्य गौरव शास्त्री जी के सानिध्य में किया जाएगा। शोभायात्रा के बाद यज्ञशाला की परिक्रमा की गयी तथा भंडारा प्रसादी का आयोजन हुआ जिसमें शिवप्रकाश अग्रवाल, जितेंद्र गोविल,रूबी वर्मा, उमेश वर्मा, नवीन वार्ष्णेय ल,जसवंत ठाकुर, उमेश ठाकुर,गणेश वार्ष्णेय,नवीन चौधरी, डौली जादौन, राकेश सक्सेना, पवन तिवारी समेत सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

बंद घरों में चोरी करने वाले गिरफ्तार, नाबालिग भी गैंग में शामिल

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में पुलिस ने चोरी की कई वारदातों का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को संरक्षण में लिया गया है। आरोपियों के पास से करीब 31 ग्राम सोने और 2 किलो चांदी बरामद हुई है। गोमती नगर एसीपी ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शहीद पथ अंडरपास के पास विनीतखण्ड सब्जी मंडी के नजदीक कुछ अज्ञात युवक खड़े है। दबिश देकर आरोपी को पकड़ा गया। जांच के दौरान सामने आया कि ये आरोपी गोमतीनगर ही नहीं, बल्कि विभूतिखंड समेत शहर के कई इलाकों में चोरी की घटना को अंजाम दे चुके हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साथी के साथ रात में पॉश कॉलोनियों में घूमते थे। जिन घरों में ताला लगा मिलता, उनमें गेट फांदकर घुस जाते और जेवर व कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाते। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने की चेन, अंगूठी, झुमके, कंगन और लॉकेट सहित कई सामान बरामद किए हैं।

प्रयागराज की नायिकाएं विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज के हिन्दी विभाग एवं 'स्त्रीदर्पण' के संयुक्त तत्वावधान में 18 मार्च, 2026 को "प्रयागराज की नायिकाएँ" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य विषय "स्त्री विमर्श केवल अस्मिता विमर्श नहीं" रहा, जिसके अंतर्गत स्त्री–चेतना, सामाजिक भूमिका, साहित्यिक योगदान एवं समकालीन संदर्भों पर गंभीर विमर्श किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर नीलम शरण गौड़ उपस्थित रहीं। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त करने से पूर्व वे स्वयं को कहीं न कहीं 'अदृश्य' महसूस करती थीं। उन्होंने अपने साहित्यिक सफर एवं कृतियों का परिचय देते हुए कहा कि साहित्यकार की पहचान उसके सृजन से होती है, न कि उसके स्त्री या पुरुष होने से। सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. गीता सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलसचिव प्रो. विनीता यादव उपस्थित रहीं। कुलसचिव महोदया ने अपने उद्बोधन में महिलाओं को शक्ति का स्वरूप बताते हुए आत्मचेतना, जागरूकता एवं समाज के बुनियादी ढांचे में सकारात्मक

परिवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह ने कहा कि यह आयोजन प्रयागराज की स्त्री लेखिकाओं की समृद्ध परंपरा को सामने लाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। कुलानुशासक प्रोफेसर आर. के. गुप्ता ने वैदिक ऋचाओं में महिलाओं के योगदान का उल्लेख करते हुए स्त्री की सम्मानित स्थिति पर प्रकाश डाला तथा सती प्रथा जैसी कुप्रथा के संदर्भ में महिलाओं की ऐतिहासिक स्थिति का विश्लेषण किया। उन्होंने महिलाओं के उत्थान में उनकी स्वयं की सक्रिय भागीदारी को भी आवश्यक बताया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. अलका प्रकाश के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। उन्होंने प्रयागराज की साहित्यिक परंपरा का उल्लेख करते हुए बताया कि जहाँ एक ओर फिराक, निराला, महादेवी, पंत, बच्चन एवं धर्मवीर भारती जैसे साहित्यकारों को स्मरण किया जाता है, वहीं रामेश्वरी नेहरू, शिवरानी देवी, सुभद्रा कुमारी चौहान आदि स्त्री रचनाकारों की उपेक्षा होती रही है।मुख्य वक्ताओं में डॉ. अनुराधा ओस, डॉ. शमेनाज़ बानो एवं डॉ. सुप्रिया पाठक ने अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ. अनुराधा ओस ने राजा राममोहन राय, सावित्रीबाई फुले एवं फातिमा शेख के उदाहरणों के माध्यम से स्त्री शिक्षा और अधिकारों की ऐतिहासिक यात्रा को रेखांकित किया तथा तालिबान के संदर्भ में वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला। डॉ. शमेनाज़ बानो ने महिलाओं की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बुकर पुरस्कार जैसे सम्मान का उदाहरण दिया तथा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के संदर्भ में प्रचलित धारणाओं को चुनौती दी। उन्होंने महादेवी वर्मा, गीतांजलि श्री, उषा प्रियंवदा एवं सलमा सिद्दीकी के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए साहित्य में महिलाओं की अग्रणी भूमिका को रेखांकित किया। डॉ. सुप्रिया पाठक ने ममता कालिया का उदाहरण देते हुए स्त्री–विमर्श के व्यापक आयामों पर प्रकाश डाला तथा यह प्रतिपादित किया कि स्त्रियों को सर्वप्रथम 'मनुष्य' के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने 'भ्पेजवतल' को 'भ्पेजवतल' के रूप में व्याख्यायित करते हुए इतिहास–लेखन की पुरुष–प्रधान दृष्टि की ओर संकेत किया। कार्यक्रम के सह–संयोजक डॉ. अजीत सिंह एवं डॉ. बब्लू यादव ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंत में डॉ. स्वातिका सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।यह आयोजन ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं स्त्री–विमर्श के व्यापक आयामों को समझने की दिशा में एक सार्थक पहल सिद्ध हुआ।

सी एम पी डिग्री कॉलेज में 'रिसर्च राइटिंग एंड इंटेग्रिटी' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रयागराज। सी एम पी डिग्री कॉलेज प्रयागराज में दिनांक 18/03/2026 को रिसर्च कम्युनिकेशन जर्नल और रिसर्च एंड प्रोजेक्ट कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में फरिसर्च राइटिंग एंड इंटेग्रिटीष पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में पधारे हुए अतिथियों का स्वागत सेमिनार की संयोजक प्रोफेसर बबिता अग्रवाल ने किया तथा रिसर्च कम्युनिकेशन जर्नल और महाविद्यालय स्तर की रिसर्च एंड प्रोजेक्ट कमेटी के कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। आपने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए लक्ष्य चुनकर टीम भावना के साथ कार्य करना चाहिए। इस सेमिनार के मुख्य अतिथि प्रोफेसर मनीष श्रीवास्तव जी ने कहा कि शोधार्थियों को अपने शोध कार्य के प्रति ईमानदार होना चाहिए तथा अपने शोध में नवीनतम शोध पत्रों का संदर्भ देना चाहिए।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे जी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि शोध क्यों करें। आपने 15 अगस्त 2022 को भारत के प्रधानमंत्री द्वारा लिए गए संकल्प जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान की याद

दिलाई और कहा कि यदि चहुमुखी विकास करना है तो इस थीम को लेकर चलना होगा। कोरोना के दौरान भारत के वैज्ञानिकों द्वारा वैक्सीन की खोज को शोध का ही परिणाम बताते हुए शोध के महत्व को रेखांकित किया। आपने शोध छात्रों से कहा कि आप शोध मन लगाकर करें, इसमें बहुत संभावनाएं हैं। यदि आप अच्छे शोधार्थी हैं तो इस बात की गारंटी है कि आप बेरोजगार नहीं रहेंगे।

इस संगोष्ठी में आमंत्रित वक्ता प्रोफेसर अशोक कुमार पाठक जी ने कहा कि शोधार्थियों को शोध परिकल्पना का निर्माण करते समय ईमानदार तो होना ही चाहिए साथ ही डाटा के सामान्यीकरण के समय भी वही ईमानदारी दिखानी चाहिए, इससे की प्रभाव नहीं पड़ता कि आपकी परिकल्पना सही साबित होती है या नासाबित होती है।

आमंत्रित वक्ता डॉ बी के सिंह जी ने कहा कि हमारे देश शोधार्थियों की क्वांटिटी तो कम है ही लेकिन क्वालिटी और खराब है। आज हम शोध में जो नैतिकता की बात करनी पड़ रही है वह चिंताजनक है। ये बात आज इसलिए करनी पड़ रही है क्योंकि हमारे नैतिक मूल्यों का पतन हो रहा है। चूंकि आज आपका शोध पत्र पूरे विश्व के लिए इंटरनेट पर उपलब्ध है, अतः आपको ज्यादा सचेत रहने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डॉ गोविंद गौरव और मंच संचालन डॉ ज्योति वर्मा और सिमोनी सिंघल ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में परास्नातक छात्रों और शोध छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस सेमिनार के सफल आयोजन में डॉ विशाल श्रीवास्तव, डॉ जितेंद्र कुमार, डॉ प्रिया सोनी खरे, डॉ रचना श्रीवास्तव, डॉ रेखा श्रीवास्तव, डॉ यादवेंद्र सिंह, डॉ विजय प्रताप सिंह, डॉ दिलीप सिंह, डॉ पुनीत कुमार सिंह, डॉ सारिका सुशील, डॉ रमेश कुमार भारती ने विशेष योगदान किया।

शिक्षकों की सच्ची लगन और मेहनत से दी गई शिक्षा कभी विफल नहीं होतीः वरुण मिश्रा

बेदौली न्याय पंचायत की शिक्षक संकुल बैठक संविलियन विद्यालय मेजा रोड़ में संपन्न

प्रयागराज। उरुवा ब्लॉक के न्याय पंचायत बेदौली के संविलियन विद्यालय मेजारोड़ में बुधवार को मार्च महीने की शिक्षक संकुल बैठक आयोजित की गई। यह बैठक मंगलवार को ही होनी थी पर विश्वसूत्रों से पता चला कि बीईओ उरुवा वरुण मिश्रा ने मंगलवार को जब मीटिंग में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े तो देखा कि शिक्षकों की उपस्थिति काफी हद से ज्यादा कम थी तो उन्होंने तत्काल मीटिंग को निरस्त कर बुधवार की तिथि निर्धारित कर दी थी। बैठक की अध्यक्षता उरुवा ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी वरुण मिश्रा ने की। बेदौली शिक्षक संकुल की मीटिंग में न्याय पंचायत के लगभग 100 से अधिक शिक्षक उपस्थित रहें। मीटिंग के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी वरुण मिश्रा ने एजेंडा के अनुसार बच्चों की उपस्थिति, स्कूल चलो अभियान एवं नामांकन वृद्धि पर रणनीति, विद्यालयों में चल रहे वार्षिक परीक्षा के संबंध में चर्चा, मेगा पीटीएम अभिभावक सहभागिता योजना एवं बच्चों को परीक्षा के उपरांत रिपोर्ट कार्ड तैयार कर उसके वितरण उत्सव की तैयारी टीएलएम के उपयोग, स्मार्ट क्लास और आउट ऑफ स्कूल बच्चों की पहचान के साथ ही डीबीटी के माध्यम से मिली राशि का उपयोग तथा मार्च माह के अन्य विभागीय कार्य के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान एआरपी रामानंद शुक्ला ने स्कूल चलो अभियान, रीमेडियल टीचिंग और 5 प्वाइंट टूल किट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की और शिक्षकों को उसके बारे में बताया। शिक्षक संकुल अशोक यादव ने एक नवाचार प्रस्तुत किया और उन्होंने स्वयं द्वारा निर्मित टीएलएम (टीचिंग लर्निंग मटेरियल) पर आधारित एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। यह व्याख्यान उपसर्ग, प्रत्यय और तुकांत शब्दों पर केंद्रित था,जिसे उन्होंने सहज और सरल शब्दों में समझाया। यह प्रस्तुति सभी उपस्थित शिक्षकों के लिए उपयोगी रही। बैठक के दौरान ब्लॉक के शिक्षक एआरपी रामानंद शुक्ला, जगदीश मिश्रा व प्रमोद कुमार शुक्ला की विशेष उपस्थिति में न्याय पंचायत बेदौली की शिक्षक संकुल मीटिंग संपन्न हुई। उक्त अवसर पर न्याय पंचायत बेदौली के शिक्षक संकुल अजय ओझा, अशोक यादव, सम्पूर्णानन्द, बलिराम व रामबाबू प्रजापति तथा शिक्षक सरस्वती द्विवेदी, रामेश्वर यादव, राजीव लोचन शुक्ला, गीता यादव, रमाकांत यादव, राखी शुक्ला, बिंदु सिंह, नीलिमा, साकेत तिवारी, निसार अहमद, पूनम द्विवेदी, चेतना तिवारी, अल्का शुक्ला, इंदु सिंह, सविता जैसल, पंकज अग्रवाल, अरुणा जैसल, गुड़िया मिश्रा, सुषमा पांडेय, मो.कैफ, सविता यादव, नीतू गौतम, रचना मिश्रा, अखिलेश कुमार, चंचला, अनुराग द्विवेदी, अर्जुन सिंह, वीरेंद्र कुमार, गीता त्रिपाठी व निसार अहमद आदि न्याय पंचायत के शिक्षक उपस्थित रहें।

दर्शन अरु अध्यात्म

(छप्पय)

दर्शन अरु अध्यात्म, अर्थ गहरे रखते हैं।
लहरों–सा व्यवहार, हमेशा यह करते हैं।
सागर से हो मिलन, लाभ अपनों का भी हो।
चाह यही बस एक, सुखद पल ऐसा ही हो।
चिंतन का विस्तार कर, पढ़िए धर्म किताब की।
त्याग जहाँ करता नहीं, बातें कभी हिसाब की।।

सबसे मिलकर गले, आज ही सबसे कहना।
जग के सारे दीन, सिखाते दिल को हँसना।
आते हैं त्योहार, प्रेम का सागर बनके।
बरसाते हैं पुष्प, सभी के ऊपर जमके।
माया के संसार में, घर पावन इक तीर्थ है।
छोटी–सी यह बात है, माने बहुत सुदीर्घ है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आईओसीएल में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बंगाईगांव। क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, गुवाहाटी के तत्वावधान में तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, बोंगाईगांव रिफाइनरी के सहयोग से राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु "भारती बहुभाषी अनुवाद सारथी" विषय पर पूर्वोत्तर के कार्यालयों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई। यह कार्यक्रम दिनांक 17 मार्च 2026 को बोंगाईगांव रिफाइनरी के आरसीसीसी सभागार में सम्पन्न हुई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती अंशुली आर्य, भप्रसे, सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि भारत की भाषाई विविधता को ध्यान में रखते हुए तकनीक आधारित अनुवाद प्रणालियाँ प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुलभ, प्रभावी एवं समावेशी बनाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। उन्होंने "भारती बहुभाषी अनुवाद सारथी" को

राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। इस अवसर पर श्री एन के बरुआ, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख सह अध्यक्ष, नराकास, बोंगाईगांव ने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से भाषा संबंधी कार्यों में दक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को उनके कार्यक्षेत्र में राजभाषा के प्रभावी उपयोग हेतु सक्षम बनाएगा।

कार्यक्रम में श्री राजीव कुमार नायक, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, गुवाहाटी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं महत्त्व पर प्रकाश डाला। तकनीकी सत्र सी–डेक, पुणे से श्री शशिपाल सिंह एवं उनकी टीम द्वारा संचालित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को "भारती बहुभाषी अनुवाद सारथी" मंच की कार्यप्रणाली, उपयोगिता एवं व्यवहारिक अनुप्रयोगों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल कमांडेंट श्री पी के मिश्रा तथा भारतीय स्टेट बैंक के मंडल विकास अधिकारी श्री सतीश कुमार शर्मा सहित पूर्वोत्तर की विभिन्न नराकास के सदस्य सचिव, हिंदी अधिकारी, अनुवादक एवं विभिन्न संगठनों के राजभाषा से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को बहुभाषीय अनुवाद की तकनीकी प्रक्रियाओं तथा सरकारी कार्यों में उनके प्रभावी उपयोग के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम के समाप्ति पर कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों ने इसे अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या-26/09 दिनांक-17.03.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	38263204	ए ए आर एप्रूव्ड कार्ट्रिज टेपर्ड रोलर बेयरिंग्स क्लास 'के'	407 नग	06.04.2026
2	38262000A	प्रेशर ट्रांसफॉर्मर डी यू -111 सब असेंबली	525 नग	09.04.2026
3	6326RGC06	विस इंज टेंडर टू इंटर इन्टू रनिंग कान्ट्रेक्ट फॉर मैनुफैक्चरिंग एंड सप्लाई ऑफ हाई विस्कोस नायलॉन-66 इन्सुलेटिंग लाईनर (एचवीएन लाइनर) , 60 केजी. टू आरडीएसओ ड्राइंग न0. टी-8751.	5218900.00 Numbers.	13-APR-26

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/ शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 597/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 11420252026 दिनांक: 16.03.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 10.04.2026 को 13.30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.: 1	निविदा सं.: 257
कार्य का विवरणः मण्डल इन्जीनियर/ट्रैक/प्रयागराज के सेक्शन में 60 केजी, और आर-260 वेल्डिंग पोर्शन एवं वेल्डिंग उपकरणों के आपूर्ति का कार्य।	
अनुमानित मूल्य (रू.): ₹ 1,22,86,185.74	बयाने की रकम (रू): ₹ 2,11,400.00
कार्य समापन की अवधिः 18 माह	निविदा खुलने की तिथिः 10.04.2026
सिमिलर कार्य के लिये न्यूनतम वाछनीय आधारः सप्लाई आफ 52 केजी/60 केजी एल्युमिनो थर्मिक वेल्डिंग पोर्शन फ्रॉम आर डी एस ओ अप्रूव्ड फर्म ऑनली	

नोटः- (1) आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। (2) उपर्युक्त ई- निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। 598/26(A)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

ट्रम्प पर भारी पड़ता युद्ध

इजरायल ईरान युद्ध में अमरीका की भूमिका को नकारा नही जा सकता। या यू भी कहा जा सकता है कि अगर अमरीका इजराइल का साथ न देता तो इजरायल ईरान से भिड़ने की हिम्मत भी न करता। लेकिन यह युद्ध अब ट्रम्प पर भारी पड़ता नजर आ रहा है। यही नही अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। तेल की बढ़ती कीमतों, आर्थिक दबाव, और लंबे युद्ध की संभावना से मतदाताओं में नाराजगी बढ़ सकती है, जो सीधे तौर पर चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकती है। युद्ध के कारण तेल की कीमतों में उछाल और मुद्रास्फीति में वृद्धि मतदाताओं के लिए मुख्य चिंता बन गई है, जो रिपब्लिकन पार्टी के खिलाफ जा सकती है। यदि युद्ध लंबा चलता है, तो यह डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक बड़ी राजनीतिक कमजोरी बन सकता है, क्योंकि यह उनके विदेशी युद्धों को रोकने के वादे के विपरीत है। युद्ध को लेकर रिपब्लिकन पार्टी के भीतर ही मतभेद सामने आ रहे हैं, और कई नेता चुनाव को ध्यान में रखते हुए इसे जल्द खत्म करने की मांग कर सकते हैं। यही नही इसके परिणाम स्वरूप उनका राजनैतिक कैरियर भी ध्वस्त हो सकता है। इस युद्ध का वैश्विक स्तर पर जो असर दिखाई पड़ रहा है वह वाकई राष्टपति ट्रम्प की वैश्विक छबि खराब कर चुका है। ईरान पर हमले के बाद बाधित समुद्री मार्ग होर्मुज को ऊर्जा आपूर्ति के लिए सुरक्षित बनाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ने मित्र राष्ट्रों समेत अन्य देशों से वहां अपनी नौसेनाएं भेजने का जो आग्रह किया था, उस पर इन देशों की अनिच्छा भरी प्रतिक्रिया यही बताती है कि ट्रंप अलग–थलग पड़ते जा रहे हैं। जहां जापान और आस्ट्रेलिया ने होर्मुज जल मार्ग की सुरक्षा के लिए आगे आने में अनिच्छा प्रकट की, वहीं दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रस्ताव पर विचार करेगा। यही नही जर्मनी ने तो दो टूक कह दिया कि नाटो का इस युद्ध से कोई लेना–देना नहीं। ऐसी प्रतिक्रियाओं से ट्रंप को किस तरह झटका लगा है, इसका प्रमाण यह है कि अब वे नाटो देशों को चेतावनी दे रहे हैं कि इस संगठन का भविष्य खतरे में पड़ सकता है, लेकिन उन्हें यह याद होना चाहिए कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी देकर इस संगठन के देशों के भरोसे को ठेस ही पहुंचाई थी।यह पहली बार नहीं, जब ट्रंप किसी मामले में अलग–थलग पड़े हों या फिर उन्हें वांछित समर्थन न मिला हो। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जब गाजा के विकास के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को किनारे कर बोर्ड आफ पीस का गठन किया था और खुद उसके सर्वेसर्वा बन बैठे थे तो इस बोर्ड में भी नाटो देशों के साथ अन्य कई प्रमुख देश शामिल नहीं हुए थे। यह अब किसी से छिपा नहीं कि अमेरिका के मित्र देश भी ट्रंप के रवैये से आजिज आ चुके हैं और वे उनकी मनमानी के समक्ष झुकने के लिए तैयार नहीं। इसके लिए ट्रंप अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकते। उन्होंने अपनी टैरिफ नीति से दुनिया को तंग ही किया है। सबसे अधिक तंग तो उन्होंने सहयोगी देशों को किया है। ट्रंप किस तरह मनमानी करते हैं, इसका उदाहरण अमेरिकी सेनाओं की ओर से वेनेजुएला पर हमला करना भी रहा। वेनेजुएला में अपनी कठपुतली सरकार बनाने के बाद उन्होंने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला बोल दिया। लगता है वे यह भूल गए कि ईरान वेनेजुएला नहीं है। ट्रंप भले ही बार–बार दोहरा रहे हों कि ईरान ने हार मान ली है, लेकिन सच यह है कि वह इजरायल के साथ खाड़ी देशों में उसके ठिकानों को निशाना बनाने में लगा हुआ है।उसकी रणनीति युद्ध को लंबा खींचने के साथ होर्मुज जल मार्ग बाधित कर दुनिया में ऊर्जा संकट बढ़ाने की जान पड़ती है। ट्रंप के पास ईरान की इस रणनीति का कोई जवाब नहीं दिख रहा है। ईरान ने खाड़ी के देशों में नागरिक ठिकानों पर हमले जारी रखकर ट्रंप की समस्या और बढ़ा दी है। उनका संकट केवल यही नहीं कि उन्हें अपेक्षित अंतरराष्ट्रीय समर्थन नहीं मिल रहा है, बल्कि यह भी है कि अमेरिका में भी उनका विरोध बढ़ता जा रहा है। ईरान संग युद्ध डोनाल्ड ट्रंप पर इस लिए भी भारी पड़ रहा है कि एक साथ उन्हें आर्थिक, कूटनीति, घरेलू समर्थन समेत कई मोर्चों पर मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है. ट्रंप ने फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन सहित कई देशों से युद्धपोत भेजने की अपील की, ताकि ईरानी हमलों के बीच वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित न हो. उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका ईरान के प्रमुख तेल निर्यात केंद्र खर्ग द्वीप पर अतिरिक्त सैन्य कार्रवाई कर सकता है. इन बयानों से स्पष्ट है कि अमेरिका इस संघर्ष को केवल सैन्य ही नहीं, बल्कि व्यापक कूटनीतिक दबाव के माध्यम से भी नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा है.आर्थिक मोर्चे पर भी यह संघर्ष ट्रंप के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। होर्मुज स्ट्रेट में बाधा के कारण वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता बढ़ी है, जिससे ऊर्जा और उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हुई है. अमेरिकी मतदाता आमतौर पर आर्थिक संकेतकों से अधिक अपने रोजमर्रा के खर्च के आधार पर सरकार का मूल्यांकन करते हैं. ऐसे में बढ़ती महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता ट्रंप की लोकप्रियता को कमजोर कर रही है। ट्रंप के लिए यह संघर्ष केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है। यह अमेरिकी जनमत, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति के जटिल समीकरणों में भी लड़ा जा रहा है. यही कारण है कि ईरान के खिलाफ यह युद्ध, सैन्य दृष्टि से चाहे जैसा भी हो, घरेलू मोर्चे पर ट्रंप के नेतृत्व की सबसे बड़ी परीक्षा बनता जा रहा है।

भाजपा की चुनावी मशीन को कैसे आकार देती है मोदी-शाह की सांझेदारी

देवी एम. चेरियन

जैसा कि अब कई राज्यों में चुनाव नजदीक आ रहे हैं, हम यह जानते और महसूस करते हैं कि सफलता शायद ही कभी अचानक मिली प्रेरणा से आती है। यह आमतौर पर योजना, अनुशासन और टीम वर्क से आती है। पिछले एक दशक में, भारतीय राजनीति ने एक अनूठी सांझेदारी देखी है, जिसे अक्सर आधुनिक भारत के सबसे प्रभावी राजनीतिक संयोजनों में से एक के रूप में वर्णित किया गया है–नरेंद्र मोदी और अमित शाह के बीच का कामकाजी रिश्ता। उनकी राजनीतिक शैली आखिरी समय के फैसलों या भावनात्मक प्रतिक्रियाओं पर नहीं टिकी। इसकी बजाय, यह तैयारी, समन्वय और चुनावों के लगभग कॉर्पोरेट–शैली के प्रबंधन पर आधारित है। जब चुनाव नजदीक आते हैं, तो पार्टी अचानक प्रचार के लिए नहीं जागती। मोदी और शाह के बीच की समझ नई नहीं है। उनकी राजनीतिक सांझेदारी गुजरात में साथ काम करने के समय से कई साल पुरानी है। उन वर्षों के दौरान, उन्होंने काम करने की एक ऐसी शैली विकसित की, जहां भूमिकाएं स्पष्ट रूप से परिभाषित थीं लेकिन संचार निरंतर बना रहता था। नरेंद्र मोदी को व्यापक रूप से चेहरे, संचारक और उस नेता के रूप में देखा जाता है, जो बड़े राष्ट्रीय संदेश को आगे बढ़ाते हैं। दूसरी ओर, अमित शाह को अक्सर रणनीतिकार के रूप में वर्णित किया जाता है, वह व्यक्ति, जो राजनीतिक युद्धक्षेत्र का सूक्ष्म विवरण के साथ अध्ययन करता है। जिम्मेदारियों का यह विभाजन एक सुचारू प्रणाली बनाता है। एक व्यक्ति विजन और संदेश पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि दूसरा संगठन और कार्यान्वयन पर। राजनीतिक हलकों में लोग अक्सर कहते हैं कि मोदी राष्ट्र से बात करते हैं, जबकि शाह पार्टी से। भाजपा के चुनाव प्रबंधन का चौंकाने वाला पहलू यह है कि तैयारी कितनी जल्दी शुरू हो जाती है। जब किसी राज्य में चुनाव की उम्मीद होती है, तो जमीनी काम आमतौर पर कम से कम 6 महीने पहले शुरू हो जाता है। उस समय तक, सर्वेक्षण किए जा चुके होते हैं, स्थानीय नेताओं का आकलन किया जा चुका होता है और निर्वाचन क्षेत्र स्तर का डाटा केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंचना शुरू हो जाता है। अमित शाह विस्तृत जानकारी पर जोर देने के लिए जाने जाते हैं। पिछली बार किस बूथ पर प्रदर्शन खराब रहा? कौन–सा स्थानीय मुद्दा मतदाताओं को परेशान कर रहा है? कौन–सा समुदाय उपेक्षित महसूस कर रहा है? ये सवाल चुनाव से एक हफ्ते पहले नहीं पूछे जाते, ये महीनों पहले पूछे जाते हैं। इन विवरणों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करने के लिए टीमें बनाई जाती हैं। बूथ स्तर की समितियां सक्रिय की जाती हैं। स्थानीय कार्यकर्त्ताओं से संपर्क किया जाता है और धीरे–धीरे, पूरे राज्य में राजनीतिक गतिविधियों का एक नैटवर्क फैलने लगता है। जब तक चुनाव की तारीखों की घोषणा होती है, तब तक अधिकांश जमीनी काम पहले ही पूरा हो चुका होता है। भाजपा संगठन के भीतर सबसे अधिक दोहराए जाने वाले वाक्यांशों में से एक 'बूथ प्रबंधन' है। विचार सरल है–चुनाव अंततरू व्यक्तिगत मतदान केंद्रों के स्तर पर तय होते हैं। अमित शाह की संगठनात्मक शैली के तहत, पार्टी अक्सर प्रत्येक बूथ की जिम्मेदारी विशिष्ट कार्यकर्त्ताओं को सौंपती है। उनका काम यह सुनिश्चित करना है कि मतदाताओं से संपर्क किया जाए, स्थानीय चिंताओं को समझा जाए और पार्टी का संदेश हर घर तक पहुंचे। हालांकि यह सुनने में सरल लग सकता है लेकिन इसके लिए भारी समन्वय की आवश्यकता होती है। सूचियां तैयार की जाती हैं, बैठकें आयोजित की जाती हैं और संचार केंद्रीय नेतृत्व से लेकर पार्टी की सबसे छोटी इकाइयों तक प्रवाहित होता है। इस तरह का अनुशासन यह सुनिश्चित करता है कि जब अभियान अपने चरम पर पहुंचे, तो ढांचा पहले से ही मजबूत हो। जहां संगठनात्मक ढांचा पृष्ठभूमि में चुपचाप काम करता है, नरेंद्र मोदी अभियान को सार्वजनिक ऊर्जा प्रदान करते हैं। उनकी रैलियां अक्सर बड़े आयोजन बन जाती हैं, जो भारी भीड़ और व्यापक मीडिया का ध्यान आकघ्षत करती हैं। लेकिन प्रत्येक रैली के पीछे सावध्ाानीपूर्वक योजना होती है। स्थानों का चयन रणनीतिक रूप से किया जाता है। विषयों का चयन उस विशेष क्षेत्र की चिंताओं के आधार पर किया जाता है। यहां तक कि दौरों का समय भी अधिकतम राजनीतिक प्रभाव पैदा करने के लिए तय किया जाता है। कई मायनों में, मोदी के भाषण अभियान की भावनात्मक और प्रेरक परत प्रदान करते हैं। इस नेतृत्व शैली की एक और महत्वपूर्ण विशेषता पार्टी कार्यकर्त्ताओं के साथ नियमित बातचीत है। बैठकें बार–बार आयोजित की जाती हैं–कभी भौतिक, कभी आभासी, जहां जमीनी स्तर के नेताओं से फीडबैक एकत्र किया जाता है। यह एक दोतरफा प्रणाली बनाता है। केंद्रीय नेतृत्व निर्देश देता है लेकिन वह जिला नेताओं और बूथ स्तर के कार्यकर्त्ताओं की रिपोर्ट भी सुनता है। उम्मीदवार चयन एक और क्षेत्र है, जहां मोदी–शाह शैली दिखाई देती है। केवल वरिष्ठता या लोकप्रियता पर भरोसा करने की बजाय, कई कारकों का अध्ययन किया जाता है। सर्वेक्षण, स्थानीय फीडबैक, प्रदर्शन रिकॉर्ड और जनता की धारणा, सभी इसमें भूमिका निभाते हैं। कभी–कभी इससे चौंकाने वाले फैसले भी होते हैं। मौजूदा विधायकों को बदला जा सकता है, यदि पार्टी को लगता है कि कोई नया चेहरा बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। उनकी रणनीति का एक और तत्व निरंतर सीखना है। प्रत्येक चुनाव के बाद, चाहे जीत हो या हार, पार्टी आंतरिक समीक्षा करती है। डाटा का विश्लेषण किया जाता है, गलतियों की पहचान की जाती है और भविष्य के लिए रणनीतियां समायोजित की जाती हैं। शायद मोदी–शाह सांझेदारी का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव पार्टी के भीतर अनुशासन की संस्कृति है। कार्यकर्त्ता समझते हैं कि अभियान कोई अनियमित घटनाएं नहीं, बल्कि सावधानीपूर्वक नियोजित ऑप्रेशन हैं। हर स्तर के नेताओं से समय सीमा का पालन करने, बैठकों में शामिल होने और सौंपे गए कार्यों को निष्पादित करने की अपेक्षा की जाती है। यह अनुशासित दृष्टिकोण पार्टी को दिशा और गति का अहसास कराता है। चाहे कोई भाजपा का समर्थन करे या नहीं, कई राजनीतिक पर्यवेक्षक एक बात पर सहमत हैं कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह की सांझेदारी ने भारत में चुनाव आयोजित करने के तरीके को बदल दिया है। उनकी पद्धति दिखाती है कि राजनीतिक सफलता केवल भाषणों या नारों के बारे में नहीं है, यह योजना, टीम वर्क और उस क्षण से महीनों, कभी–कभी सालों पहले काम करने की क्षमता के बारे में भी है, जब मतदाता अंततरू पोलिंग बूथ में कदम रखते हैं। और आधुनिक राजनीति में, यही तैयारी सारा अंतर पैदा कर सकती है, जिसे दुर्भाग्य से हमारी मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस पूरी तरह से भूल और छोड़ चुकी है। यही कारण है कि आने वाले वर्षों में भाजपा के भविष्य की पार्टी बने रहने की अधिक संभावना है।

मतदान की तारीखों का ऐलान: पर क्या चुनाव होगा भी!

राजेंद्र शर्मा

चुनाव आयोग ने 15 मार्च को विधानसभाई चुनावों के अगले चरण की तारीखों की घोषणा कर दी। कहने की जरूरत नहीं है कि चुनाव आयोग ने इन तारीखों की घोषणा करने के लिए, चुनाव में जाने वाले राज्यों के प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव से ऐन पहले के दौरे के पूरे हो जाने का इंतजार किया। इस दौरे में प्रधानमंत्री ने हरेक राज्य में एक ओर परियोजनाओं के उद्घाटनों से लेकर घोषणाओं तक का सरकारी काम–काज किया और दूसरी ओर, अपनी पार्टी के पक्ष में राजनीतिक–चुनावी प्रचार किया। अपने चुनाव–पूर्व चुनाव प्रचार के दौरों के इस चक्र में प्रधानमंत्री मोदी ने 11 मार्च को केरल का दौरा किया। 12 मार्च को प्रधानमंत्री तमिलनाडु के दौरे पर रहे। 13 मार्च को असम में प्रधानमंत्री का घोषणा–प्रचार दौरा हुआ और 14 मार्च को प्रधानमंत्री प. बंगाल के दौरे पर पहुंचे, जहां मुश्किल से आधे भरे ब्रिगेड मैदान में रैली के साथ, उन्होंने अपने दौरे का समापन किया। और अगले ही दिन चुनाव आयोग ने विधानसभाई चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी। बेशक, यह कोई पहली बार नहीं हुआ है जब चुनाव की तारीखों की घोषणा और प्रधानमंत्री के चुनाव–पूर्व प्रचार कार्यक्रम की तारीखों में ऐसा सटीक तालमेल हुआ हो। उल्टे, 2014 के लोकसभा चुनाव में मोदी राज की स्थापना के बाद से जितने भी महत्वपूर्ण चुनाव हुए हैं, उन सभी में यह सचेत तालमेल देखने को मिला है। वास्तव में अब तो यह इस हद तक सामान्य बनाया जा चुका है कि शुरू में कुछ चुनावों के मामले में इस पर सवाल उठाए जाने के बाद, धीरे–धीरे न सिर्फ मीडिया तथा टीकाकारों ने, बल्कि विरोधी राजनीतिक पार्टियों तक ने इस पर सवाल उठाना तक बंद कर दिया है। हैरानी की बात नहीं है कि इस बार भी, सोशल मीडिया पर छुटपुट टिप्पणियों को छोड़कर, चुनाव आयोग की इस कारगुजारी को शायद ही किसी ने ध्यान देने लायक समझा हो। लेकिन, ऐसा होने से चुनाव आयोग के इस खेल में निहित बेईमानी, किसी तरह से छोटी या महत्वहीन नहीं हो जाती है। उल्टे यह तो इसी का इशारा करता है कि किस तरह, चुनाव आयोग से एक संवैधानिक निकाय के रूप में स्वतंत्र तथा निष्पक्ष तरीके से काम करने की अपेक्षाएं, अब समाप्तप्रायरू हैं। इसे देखते हुए हैरानी की बात नहीं है कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार, वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त, ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग के खिलाफ, लगभग समूचा विपक्ष औपचारिक रूप से अपना अविश्वास जताने के लिए तैयार हो गया है और उसे हटाने के लिए संसद के सामने विधिवत रूप से प्रस्ताव लाया गया है। सवाल यह नहीं है कि विपक्ष के चुनाव आयोग के खिलाफ इस तरह के कदम के सफल होने की कोई संभावनाएं हैं भी हैं या नहीं? भारत के संविधान निर्माताओं ने, जनतंत्र के लिए स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव की और स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के लिए, हर प्रकार के दबावों से सुरक्षित चुनाव आयोग सुनिश्चित करने की मंशा से, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को हटाए जाने की प्रक्रिया को, पर्याप्त से अधिक कठिन बनाया है। हालांकि, संसद के हाथों में यह अधिकार सौंपा गया है, लेकिन संसद भी कोई साधारण बहुमत से चुनाव आयुक्तों को नहीं हटा सकती है। इसकी प्रक्रिया वैसी ही जटिल तथा अर्द्घ–न्यायिक है, जैसी उच्चतर न्यायालय के न्यायाधीशों के मामले में इंपीचमेंट की प्रक्रिया होती है।

वर्तमान मामले में तो मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के प्रस्ताव पर पर्याप्त संख्या में सांसदों के हस्ताक्षर जमा होने के बाद, इसके किसी सदन में विचार के लिए स्वीकार किए जाने समेत, अनेकानेक चरणों से क्रमवार आगे बढ़ना बाकी है। इसलिए, इस प्रस्ताव का हश्र क्या होगा इस पर अटकल लगाने का कोई उपयोग नहीं है। वैसे भी जब वर्तमान चुनाव आयोग पर असली आरोप सत्ताधारी भाजपा के साथ पक्षपात करने का है, संसद के दोनों सदनों में सत्तापक्ष की संख्या को देखते हुए, किसी चमत्कार से ही इस प्रस्ताव को कामयाबी मिल सकती है, अन्यथा इसका विफल होना तो तय ही है। इसके बावजूद, जिसमें इस प्रस्ताव का विफल होना तयशुदा होना भी शामिल है, इस प्रस्ताव का रखा जाना निरर्थक नहीं है। इस प्रस्ताव का रखा जाना, मौजूदा हालात पर आलोचना की एक नैतिक आवाज है, जहां सत्ताधारी भाजपा और उसकी मोदीशाही ने, जनतंत्र को चलाने वाली सभी संस्थाओं को इस तरह भीतर से खोखला कर दिया है कि, उनकी साख ही खत्म हो गयी है। वर्तमान की विद्रूपताओं की ऐसी नैतिक आलोचना पेश करना ही, विपक्ष का असली काम है। वैसे तो जनमत निर्माता के रूप में मीडिया का भी यही काम है, लेकिन मोदीशाही ने एक संस्था के रूप में मीडिया को पहले ही इस कदर खोखला कर दिया है कि वह वर्तमान की आलोचना करना भूल ही गया है और सिर्फ सत्ताधारियों की खुशामद करने के लायक रह गया है। प्रसंगवश कहते चलें कि ऐसी ही नैतिक आलोचना प्रस्तुत करने का काम, संसद के चालू सत्र में लोकसभा स्पीकर, ओम बिड़ला के खिलाफ आए अविश्वास प्रस्ताव ने किया था, जो कि स्वतंत्र भारत के इतिहास का इस तरह का तीसरा ही प्रस्ताव था। बेशक, वह अविश्वास प्रस्ताव विफल हो गया और ओम बिड़ला लोकसभा स्पीकर के पद पर बने हुए हैं।

याद रहे कि इससे पहले, राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ भी सदन में उनके पक्षपातपूर्ण आचरण के लिए, अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। लेकिन, उस प्रस्ताव को सदन में विचार के लिए स्वीकार ही नहीं किया गया, हालांकि इसके कुछ ही समय बाद धनखड़ ने अचानक राज्यसभा के सभापति तथा उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया, जिसके कारणों को लेकर अब तक रहस्य बना ही हुआ है। अगर अविश्वास की इस तरह की अभिव्यक्तियां, वर्तमान व्यवस्था की जनतांत्रिक आलोचना का बहुत ही जरूरी हिस्सा हैं, तो बार–बार इस तरह अविश्वास जताए जाने की नौबत आना, बेशक वर्तमान जनतांत्रिक व्यवस्था के संकट की गहराई को दिखाता है। और अविश्वास की ऐसी अभिव्यक्तियों को भी अनसुना कर के मौजूदा व्यवस्था का उसी रास्ते पर चलते रहना, मिसाल के तौर पर ओम बिड़ला का या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश गुप्ता का, अपने ओहदे का पहले जितना ही पक्षपातपूर्ण तरीके से उपयोग करते रहना, वर्तमान शासन द्वारा रचे गए इस संकट के वर्तमान शासन के रहते असाधय होने को ही दिखाता है।

दोहे

सत्य सनातन शब्द से, करो सभी का मान।
दुनियाभर में सुख रहे, ऐसा मन अरमान।।

प्रेम भाव लेकर चलो, अपना यही विधान।
पर उसको छोड़ो नहीं, करता जो नुकसान।।

जगदम्बा की अर्चना, गाओ मिलकर संत।
सत्य सनातन कह रहा, कभी न होगा अंत।।

वाणी में रसधार हो, और सभी का क्षेम।
जीवन मधुमय सरिस हो, रहो बाँटते प्रेम।।

शस्त्र शास्त्र का ज्ञान हो, ऊँचे हो आदर्श।
हरि हर जैसा भाव हो, अरु रोगमुक्त स्पर्श।।

पाप कलुष को त्याग कर, मन लो सेवाभाव।
जीवन को भी गति मिले, पार चले यह नाव।।

वसुधा गुण की खान है, सबकुछ इसके कोख।
तू वसुधा पर ही बसा, खुद को इससे जोख।।

पंडित राकेश
मालवीय मुस्कान
प्रयागराज–१६

इच्छा मृत्युः किसी को ये दिन न देखने पड़ें

क्षमा शर्मा

हाल ही में हरीश राणा नाम के 31 वर्षीय युवक के माता–पिता की याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने इच्छा मृत्यु की अनुमति दे दी। ऐसा देश में पहली बार हुआ। निर्णय देते वक्त अदालत बहुत भावुक भी हो गई। इस युवक के माता–पिता को सैल्यूट भी किया। 13 साल से यह युवक कोमा में था। उसके पूरे शरीर को लकवा भी मार गया था। उसके ठीक होने की कोई उम्मीद भी नहीं थी लेकिन माता–पिता और छोटे भाई ने उसकी बहुत सेवा की। उन माता–पिता की हालत सोचकर कलेजा मुंह को आता है, जिन्हें अपने बेटे की मृत्यु की इजाजत अदालत से लेनी पड़ी। पिता ने कहा कि उनका बेटा टॉपर था। न जाने उसके कितने सपने थे। हॉस्टल में चौथी मंजिल से गिरा, तो फिर कभी उठ नहीं सका। मां सिसकते हुए बोली कि हमारे बाद उसकी देखभाल कौन करता, इसलिए ऐसा निर्णय लेना पड़ा। अर्से से अपने यहां इच्छा मृत्यु पर बहस चल रही है। मुम्बई की नर्स अरुणा शानबाग भी दशकों तक कोमा में रहीं। उनके लिए भी इच्छा मृत्यु की मांग अदालत से की गई थी लेकिन अनुमति नहीं मिली थी। बाद में निमोनिया से उनकी मृत्यु हो गई। जिस परिवार पर ऐसी आफत टूटती है, उनके दुखों के बारे में बयान नहीं किया जा सकता। इसीलिए इस मामले में अदालत ने भी कहा कि सरकार को इस बारे में कानून बनाना चाहिए। कुछ साल पहले अंग्रेजी के एक अखबार ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती ऐसे मरीजों के बारे में एक रिपोर्ट छापी थी। इसमें बताया गया था कि कई ब्रेन डैड मरीज वहां सालों से भर्ती हैं। घर वालों से अस्पताल कहता है कि अब उन्हें घर ले जाएं, जिससे कि अन्य मरीजों को उनके बैड मिल सकें। लेकिन घर वाले इसके लिए तैयार नहीं होते। उन्हें लगता है कि घर ले जाकर वे मरीजों की 24 घंटे देखभाल कैसे करेंगे। अस्पतालों की मजबूरी यह होती है कि उनके पास सीमित संसाधन होते हैं, एक बैड खाली हो, तो हो सकता है कि अनेक मरीज उस लाइन में लगे हों।

यूं भी अपने देश में अस्पतालों की भारी कमी है। प्राइवेट सैक्टर अस्पतालों में जाने के बारे में साधनहीन मरीज तो सोच भी नहीं सकते। शिक्षा की तरह इलाज भी मनुष्य के मौलिक अधिकारों में एक होना चाहिए लेकिन शायद ही कोई इसके बारे में सोचता हो। इसके अलावा ज्यों–ज्यों चिकित्सा प्राइवेट सैक्टर के हाथों में गई है, इलाज महंगे से महंगा होता गया है। लोगों के सारे संसाधन किसी एक व्यक्ति के इलाज में लग जाते हैं। फिर भी बहुत बार मरीज ठीक नहीं होता। हरीश राणा के परिवार को भी उसके घर में रहने पर भी इलाज के लिए अपना तीन मंजिला मकान तक बेचना पड़ा था। उसके माता–पिता ने यह भी कहा कि अदालत के इस फैसले से उन जैसे अनेक परिवारों को राहत मिलेगी, जो इस तरह की विपत्ति से गुजर रहे हैं। वे वर्षों से बेटे को इस असहाय अवस्था में देख रहे हैं और कुछ कर भी नहीं सकते। पश्चिम के कई देशों में इच्छा मृत्यु वैध है। आपको याद होगा कि कुछ साल पहले आस्ट्रेलिया के 100 वर्षीय एक वैज्ञानिक इसके लिए स्विट्जरलैंड गए थे। उनका कहना था कि वह बहुत जी लिए, अब और नहीं जीना चाहते। अपनी मृत्यु से एक दिन पहले उन्होंने वहां की खूब सैर की। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें मालूम है कि उनके साथ क्या होगा। तब उन्होंने पूरी प्रक्रिया के बारे में खुद बताया था। अगले दिन अस्पताल में उनकी इच्छा के अनुसार, इंजैक्शन देकर, उन्हें मुक्ति दी गई थी। दरअसल अपने बच्चे या परिवार के किसी सदस्य के लिए इस तरह की मृत्यु की मांग करना दिल पर पत्थर रखने जैसा काम है। इसके लिए बहुत साहस चाहिए। लेकिन जब परिस्थितियां अपने हाथ से निकलने लगती हैं, सारे संसाधन सूख जाते हैं, शरीर की हिम्मत जवाब दे जाती है, तो कोई करे भी क्या। किसी गम्भीर बीमारी या दुर्घटना के कारण किसी के साथ ऐसा हो जाए कि उसके जीवन की सम्भावना बिल्कुल न बचे, तो और रास्ता ही क्या है। आस्ट्रेलिया के वैज्ञानिक को तो ऐसी कोई समस्या नहीं थी लेकिन उनका कहना था कि अब जीने से उनका मन भर गया है।

शादी के 10 साल बाद भरेगी दिव्यांका त्रिपाठी की सूनी गोद! पहले बच्चे के स्वागत के लिए तैयार हैं विवेक दहिया

टीवी कपल दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया की ओर से हाल ही में एक गुड न्यूज सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि ये कपल शादी के 10 साल बाद माता–पिता बनने जा रहा है। दोनों अपने पहले बच्चे का स्वागत करेंगे। इस गुड न्यूज के बाद दहिया परिवार में खुशी की लहर है। हालांकि, अभी तक दिव्यांका या विवेक की तरफ से इस गुड न्यूज को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन एक सूत्र ने इस खबर को कंफर्म किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सूत्र ने कंफर्म किया है कि दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया माता–पिता बनने वाले हैं और उनके परिवारों ने अभी से तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। बताया जा रहा है कि दिव्यांका और विवेक जल्द ही बेबी शॉवर सेरेमनी भी होस्ट करने वाले हैं। यह एक निजी फंक्शन होगा, जिसमें सिर्फ परिवार के लोग और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। बता दें, इससे पहले भी दिव्यांका की प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ी थीं, लेकिन कपल ने हर बार प्रेनेंसी की अफवाहों को फेक करार दिया। इस बार फैंस को उम्मीद है कि यह गुड न्यूज पक्की हो। पर्सनल लाइफ की बात करें तो टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी ने 8 जुलाई 2016 को विवेक दहिया से शादी रचाई थी। दोनों अक्सर अपनी रोमांटिक केमिस्ट्री की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। वर्कफ्रंट पर दिव्यांका पिछली बार टीवी रियालिटी शो खतरों के खिलाड़ी 13 में देखा गया था।

> “ यह एक निजी फंक्शन होगा, जिसमें सिर्फ परिवार के लोग और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। बता दें, इससे पहले भी दिव्यांका की प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ी थीं, लेकिन कपल ने हर बार प्रेनेंसी की अफवाहों को फेक करार दिया।

कॉमेडी में नया दांव, ऋतिक रोशन और प्राइम वीडियो की 'मेस' तैयार

प्राइम वीडियो की यह आने वाली ऑरिजनल फिल्म मेस, ऋतिक रोशन और ईशान रोशन द्वारा उनके बैनर एचआरएक्स फिल्म्स (फिल्मक्राफ्ट प्रोडक्शंस की एक डिवीजन) के तहत बनाई जा रही है। इस प्रोजेक्ट में राजेश ए. कृष्णन की सोडा फिल्म्स लैब भी उनके साथ जुड़ी है। राजेश ए. कृष्णन के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म का प्रोडक्शन जल्द ही शुरू होने वाला है। प्राइम वीडियो, भारत का सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन, ने आज अपनी आने वाली प्राइम ओरिजिनल फिल्म मेस का एलान किया है। यह कॉमेडी फिल्म स्ट्रीमिंग सर्विस और एचआरएक्स फिल्म्स (फिल्मक्राफ्ट प्रोडक्शंस की एक डिवीजन) के बीच दूसरा कोलैबोरेशन है, इससे पहले थ्रिलर सीरीज स्टॉर्म का एलान हो चुका है। ऋतिक रोशन और ईशान रोशन द्वारा भ्त फिल्म्स के बैनर तले और राजेश ए कृष्णन की सोडा फिल्म्स लैब के साथ मिलकर बनाई गई इस फिल्म का निर्देशन खुद कृष्णन ही कर रहे हैं। इस फिल्म की ओरिजिनल पटकथा अमेरिकी लेखक पॉल सोटर ने लिखी है, जबकि अडैप्टेड स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स कपिल सावंत ने लिखे हैं। घ्मेस की कहानी लुटेरों के एक ऐसे अजीबोगरीब ग्रुप के बारे में है, जो एक ओसीडी से पीड़ित आदमी के घर में घुस जाते हैं। धीरे–धीरे उन्हें एहसास होता है कि खतरा उस परिवार को नहीं, बल्कि खुद उन्हें है और इस रात भर चलने वाली खींचतान में उनका बचना मुश्किल है। निखिल मधोक (डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स, प्राइम वीडियो इंडिया) ने कहा, एक अच्छी कहानी की पहचान यह है कि वह आपको हैरान कर दे और अंत तक आपका मनोरंजन करे। मेस के साथ हमारे पास एक ऐसी कहानी है जो न सिर्फ यह सब करती है, बल्कि आपको हर मोड़ पर हंसाती भी है। घ्उन्होंने आगे बताया, इस फिल्म का कॉन्सेप्ट बहुत ही नया और फ्रेश है और इसके किरदार भी काफी मजेदार हैं। ऋतिक और ईशान, अपनी कंपनी एचआरएक्स फिल्म्स के जरिए, कहानी कहने की एक गहरी समझ और जुनून साथ लाते हैं। स्टॉर्म के बाद, इस फिल्म के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। राजेश ए. कृष्णन इस जॉनर (कॉमेडी) के माहिर खिलाड़ी हैं और हमें यकीन है कि मेस एक ऐसी फिल्म साबित होगी जिसे भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के दर्शक पसंद करेंगे। प्रोड्यूसर ऋतिक रोशन ने कहा, स्टॉर्म के साथ प्राइम वीडियो के साथ एक खास सफर की शुरुआत हुई थी और मेस हमारी कंपनी एचआरएक्स फिल्म्स के लिए एक अगला और स्वाभाविक कदम है। उन्होंने आगे कहा, प्राइम वीडियो के साथ हमारी साझेदारी ने हमें कुछ अलग और नया कर दिखाने का मौका दिया है, और यह प्रोजेक्ट उसी सोच को पूरी तरह से दर्शाता है। राजेश (राजेश ए. कृष्णन) एक प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के तौर पर अपनी एक अलग पहचान रखते हैंय उनके पास कॉमेडी को एक बेहतरीन कहानी के साथ जोड़ने का शानदार हुनर है। मेस के लिए उनका नजरिया शुरू से ही कमाल का रहा है। जैसे–जैसे फिल्म का काम आगे बढ़ रहा है, मैं और ईशान इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं। हमारा मानना है कि यह फिल्म उन दर्शकों को बहुत पसंद आएगी जो लीक से हटकर और नई तरह की कहानियों को देखना पसंद करते हैं। इस आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए राजेश ए. कृष्णन ने कहा, कपिल के साथ मिलकर श्मेसश को तैयार करना वाकई एक शानदार अनुभव रहा है। उनके साथ फिर से काम करना बहुत अच्छा लगा। इस फिल्म की दुनिया कॉमेडी और अफरा–तफरी का एक रोमांचक मेल है, जो दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखने के लिए काफी है। यह फिल्म मेरे लिए क्रिएटिव तौर पर बहुत संतोषजनक रही है। घ्उन्होंने आगे कहा, ऋतिक और ईशान ने अपनी समझ और भरोसे से इस फिल्म को और बेहतर बनाया है, और हमारे पास काम करने के लिए एक ड्रीम कास्ट है। अब जब हम प्रोडक्शन की तरफ बढ़ रहे हैं, तो मैं एचआरएक्स फिल्म्स और प्राइम वीडियो के सपोर्ट के लिए शुक्रगुजार हूँ। मुझे पूरा यकीन है कि इस फिल्म को रिलीज के लिए बिल्कुल सही प्लेटफॉर्म मिला है। जैसे–जैसे फिल्म का काम आगे बढ़ेगा, इससे जुड़ी और भी जानकारी जल्द ही सामने आएगी।

पति का हाथ थाम आफ्टर पार्टी में शामिल हुई प्रियंका चोपड़ा, शिमरी बैकलेस ड्रेस में दिखा हद से बोल्ड अंदाज

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर अपने स्टाइल और चार्म को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर ऑस्कर्स के बाद हुई आफ्टर पार्टी की कुछ खास तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनका ग्लैमरस अंदाज देखते ही बन रहा है। इन तस्वीरों में उनती पति निक जोनस संग रोमांटिक केमिस्ट्री फैंस का दिल जीत रही है। ग्लिटरी आई मेकअप और हल्के शेड की लिपस्टिक के साथ उनका लुक और भी ग्रेसफुल नजर आया। अपने बालों को उन्होंने खुले रखा और बोल्डनेस से फैंस को इम्प्रेस करती नजर आईं। कई तस्वीरों में वह सीढ़ियों पर चढ़ती हुई अपने बैक फ्लॉन्ट कर रही हैं तो कइयों में वह सीढ़ी पर कातिलाना अंदाज में पोज दे रही हैं। वहीं निक जोनस ब्लेजर और पैंट में काफी डैशिंग दिखाई दिए। दोनों ने साथ में कई रोमांटिक पोज दिए, जो फैंस को बेहद पसंद आ रहे हैं। तस्वीरों में कपल की बॉन्डिंग और केमिस्ट्री साफ झलक रही है, जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत लिया। फिलहाल प्रियंका और निक की ये तस्वीरें इंटरनेट पर छाई हुई हैं और फैंस उनके इस स्टाइलिश और रोमांटिक अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

अस्पताल से डिस्चार्ज हुए सलमान के पिता, ब्रेन हेमरेज के बाद हॉस्पिटल में भर्ती हुए थे सलीम खान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के परिवार को हाल ही में बड़ी राहत मिली है। दिग्गज स्क्रीन राइटर सलीम खान करीब एक महीने तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद मंगलवार सुबह अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। इस बात की पुष्टि उनके परिवारिक सूत्र ने भी की है। इस खबर के सामने आने के बाद सलमान खान के करीबियों और फैंस ने भी राहत की सांस ली है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दिगग्ज स्क्रीनराइटर सलीम खान को मंगलवार, 17 मार्च को मुंबई के लीलावती अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक परिवार के एक सूत्र ने बताया कि वह सुबह करीब 10 बजे अपने घर लौटे। बता दें, 90 वर्षीय सलीम खान को 17 फरवरी को मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती हुए थे। बढ़ती उम्र के कारण उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो रही थीं और हल्का ब्रेन हेमरेज भी हुआ था। करीब एक महीने तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद आज सुबह उन्हें छुट्टी मिल गई है। जब डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उनकी हालत में सुधार हो गया है तब उन्हें घर जाने की अनुमति दी गई। इससे पहले, डॉ. पारकर ने सलीम खान का हेल्थ अपडेट देते हुए बताया था कि उन्हें बहुत हलका ब्रेन हेमरेज हुआ था, जिसका एक छोटा सा प्रोसीजर किया गया, जो सफलतापूर्वक पूरा हो गया। उनकी सेहत में काफी सुधार हो रहा है। उनकी उम्र को देखते हुए, ठीक होने में थोड़ा ज्यादा समय लगेगा।

कम कीमत में देखना चाहते हैं 'धुरंधर 2'? इन जगहों पर मिल रही है सस्ते में टिकट

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' रिलीज से पहले ही दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। फैंस फिल्म का फर्स्ट डे शो देखने के लिए बेताब हैं। टिकट की कीमतें भी चर्चा में हैं, क्योंकि कुछ स्थानों पर टिकट 2200 से 3100 रुपये तक बिक रहे हैं। वहीं, कुछ थिएटरों में सस्ते टिकट उपलब्ध हैं, जिससे हर वर्ग के लोग फिल्म का आनंद ले सकते हैं। नोएडा के कई थिएटरों में फिल्म रिलीज के 15 दिन बाद कम कीमत में टिकट उपलब्ध होंगे। गुरुग्राम में पेप्सी पीवीआर एम्बियंस में भी 200 रुपये में टिकट मिल रहे हैं। इसके अलावा अन्य कई थिएटरों में भी कम रेट में टिकट उपलब्ध हैं। टिकटों की उच्च मांग के कारण कुछ स्थानों पर पहले से ही बुकिंग हो चुकी है। 'धुरंधर 2' 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म के 18 मार्च को पेड प्रीव्यू शो भी आयोजित किए गए हैं, जिससे फैंस पहले ही फिल्म का अनुभव ले सकें।

शादी के सीजन में दिखना है आकर्षक और खूबसूरत, हर लड़की के पास सिर्फ ये 5 चीजें होनी चाहिए

शादी के सीजन की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में रिश्तेदारों की शादी में जरुर जाना पड़ता है। इसलिए आप शादी में जाने से पहले ही तैयारी कर लें। वैसे जब वेडिंग सीजन की शुरुआत होती है तो हर चीज महंगी हो जाती है। आज हम आपको इस लेख नें बताएंगे कि आप इन 5 चीजों को अपने वार्डरोब में शामिल कर सकती हैं।

साड़ियां

अगर आपको साड़ियां पहनने का शौक है तो आपको अलग–अलग तरह की 4 से 5 साड़ी खरीद लेना चाहिए। ऐसे में अचानक से भी किसी की शादी होती हैं तो आपको यह सोचना नहीं होगा कि आपको क्या पहनना है।

सूट

आपको इस शादी सीजन में कम से कम 3 सूट खरीद लेना चाहिए। कई महिलाएं शादी से पहले शूट नहीं पहनती हैं ऐसे में आप शादी के सीजन में पंजाबी सूट या फिर शरारा सूट कैरी कर सकती हैं। यह आपके लुक को दोगुना कर देंगे।

रेकमेंड गाउन

अगर आप गाउन भी चाहे तो इस शादी के सीजन में आप अपने लिए खरीद सकती हैं। रेकमेंड गाउन आपको आसानी से मिल जाएगा। ऐसे में आपको डार्क कलर जैसे की रेंड या फिर ब्लैक कलर का रेकमेंड गाउन खरीदना चाहिए।

डिजाइनर ब्लाउज

अगर आप शादी में हटके दिखना चाहती हैं तो यह आपके लुक को दोगुना कर देते हैं। ऐसे में अगर इस शादी के सीजन में आपको सबसे अलग दिखना है तो आपको पहले ही खुद के लिए डिजाइनर ब्लाउज बनवा लेना चाहिए। रेकमेंड डिजाइनर ब्लाउज भी आपको आसानी से मिल जाएगा।

एथनिक फुटवेयर

कई महिलाएं केवल जूते या फिर ऑफिस वेयर फुटवेयर ही रखती है। ऐसे में इस वेडिंग सीजन के लिए आपको एथनिक फुटवेयर जरुर खरीदें।

स्नैक्स में बनाएं सफेद काबुली चने का फलाफल, खाने का स्वाद हो जाएगा दोगुना

कई लोगों को फलाफल काफी पसंद है। ऐसे में अगर आपको क्रिस्पी और कुरकुरे स्नैक्स खाना पसंद है, तो आपको फलाफल का स्वाद जरूर अच्छा लगेगा। बता दें कि फलाफल को सफेद काबुली चने से बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए सफेद काबुली चने को एक रात पहले भिगोकर रख दें। क्योंकि फलाफल बनाने के लिए सफेद काबुली चनों को 5–7 घंटे के लिए भिगोना जरूरी होता है। स्वादिष्ट फलाफल बनाकर आप चाय के साथ खा सकते हैं। ऐसे में अगर आप भी फलाफल बनाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको फलाफल बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

सबूत धनिया– 1 बड़ा चम्मच
लाल शिमला मिर्च
जीरा– 1 चम्मच
छोले– 2 कप (भीगे हुए)
लहसुन– 5–6
लाल सूखी मिर्च– 4
सफेद सिरका– 1 बड़े चम्मच
अजमोद के पत्ते– 8–10
नमक– स्वादानुसार
तेल– तलने के लिए

ऐसे बनाएं

ऊपर बताई गई सामग्रियों को एकत्र कर लें, फिर एक पैन को गर्म करने के लिए गैस पर रख दें। पैन के गर्म होने के बाद सूखा धनिया और जीरा डालकर भूनें। जब यह भुन जाएं, तो इसको थोड़ा ठंडा होने दें। इसके बाद शिमला मिर्च को छीलें और बीच से आधे हिस्से में काट दें। शिमला मिर्च के बीजों को निकालकर कैप्सिकम के मोटे पीस काट लें। अब एक भिगोए हुए छोले को फूड प्रोसेसर में डालकर उसमें भुना हुआ जीरा और धनिया डालें। इसके बाद इसमें लहसुन, लौंग, कटा हुआ शिमला मिर्च, नमक, भिगोए हुए लाल मिर्च, अजमोद के पत्तों और सिरका डालकर पीस लें। फिर एक कड़ाही में तेल गर्म कर मिश्रण के छोटे–छोटे हिस्से लें। इसको एक शेप दें और गर्म तेल में डालकर दोनों तरफ से सुनहरा–भूरा व कुरकुरा होने तक भूनें। इस तरह से स्वादिष्ट और कुरकुरे फलाफल बनकर तैयार हो जाएंगे। इसको एक सर्विंग प्लेट में निकाल कर लाल मिर्च पाउडर और जैतून के तेल के साथ गॉर्निश कर सर्व करें।

शुगर के मरीजों के लिए वरदान है अमरुद, खून की कमी भी होगी दूर

हमारे शरीर के लिए फल बहुत ही फायदेमंद माने जाते हैं। हर फल के अपने गुण होते हैं। अमरूद की बात करें तो यह भी सेहत के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। सिर्फ अमरूद ही नहीं बल्कि इसकी पत्तियां भी। आयरन विटामिन्स और फाइबर से भरपूर अमरूद डायबिटीक पेशेंट के लिए भी बहुत फायदेमंद है। वहीं जिन लोगों के शरीर में खून की कमी रहती है उनके लिए भी अमरूद गुणकारी है। चलिए आपको अमरूद के ही अनगिनत फायदे बताते हैं।

शुगर के मरीजों के लिए बहुत बढ़िया

जिन लोगों के शरीर में ब्लड शुगर बढ़ती हैं उन्हें अमरूद खाना चाहिए। इसी के साथ उन्हें अमरूद की पत्तियों का पानी भी पीना चाहिए। इसके लिए उन्हें 4 से 5 पत्तियां साफ कर 1 लीटर पानी में उबालनी चाहिए। जब पानी आधा हो जाए तो इस पानी का ठंडा कर सेवन करना चाहिए। अमरूद व उसकी पत्तियां शरीर में इंसुलिन के स्तर को कंट्रोल रखने में मदद करता है।

एनीमिया मरीजों के लिए और गर्भवती के लिए फायदेमंद

जिन लोगों के शरीर में आयरन की कमी है तो खून बढ़ाने के लिए वह अमरूद का सेवन करें। इसमें भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है जो हीमोग्लोबिन को बढ़ाता है। इसमें मैग्नीशियम भी पाया जाता है तो आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह गर्भावस्था के दौरान एनीमिया के खतरे को कम करने में भी मदद करता है। अमरूद में मौजूद फोलिक एसिड शिशु का विकास करने मे मदद करता हैं।

आंखों और स्किन के लिए भी बढ़िया

अमरूद में विटामिन ए और सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ए आपकी आंखों को स्वस्थ रखता है और विटामिन सी आपकी स्किन को हैल्दी रखता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। अमरूद स्किन केयर के लिए बेहतर विकल्प है। अगर कम उम्र में ही आपकी त्वचा पर झाइयां आने लगी हैं तो आप अमरूद को अपनी डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं। जल्द ही आपको फर्क दिखना शुरू होगा।

कब्ज से राहत

जैसे कि हमने पहले बताया है कि अमरूद में फाइबर भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो पेट को सही रखने में सबसे ज्यादा जरूरी है। अगर आपको कब्ज की समस्या रहती है तो अमरूद का सेवन करें। सिर्फ कब्ज ही नहीं यह पाचन संबंधी और भी बहुत सी समस्याओं से निजात दिलाता है। खाली पेट 200–300 ग्राम अमरूद का सेवन करने से बवासीर में लाभ मिलता है।

पेट के कीड़े मारे

बहुत से छोटे बच्चे के पेट में कीड़े की समस्या हो जाती है। ऐसे बच्चों को खाने में अमरूद जरूर दें क्योंकि अमरूद इन कीड़ों को मारने का काम करता है।

अमरूद खाने का सही समय और तरीका

आयुर्वेद एक्सपर्ट के अनुसार, अमरूद की तासीर ठंडी होती है इसलिए इसे दोपहर में खाए तो बेहतर है। अमरूद को दोपहर के भोजन से एक घंटा पहले या भोजन के 2 घंटे बाद लेना फायदेमंद रहता है। आप 1 से 2 अमरूद का सेवन काला नमक लगाकर करें तो ज्यादा फायदा मिलेगा।

अमरूद कब देगा नुकसान

अमरूद खाने के बाद पानी से परहेज करना चाहिए।कम से कम एक घंटा पानी ना पीने की सलाह दी जाती है।शाम को खाने से बचना चाहिए अमरूद क्योंकि ये भूख बढ़ाता है और इसका गूदा जल्दी पच जाता है, लेकिन इसके अंदर की बीज को पचने में समय लगता है इसलिए शाम व रात के समय इसका सेवन ना करें। जिन लोगों की शुगर कम रहती है वह भी अमरूद से परहेज करें। सर्दी जुकाम में अमरूद का सेवन ना करने की ही सलाह दी जाती है।

एक नहीं कई समस्याओं का रामबाण इलाज है फिटकरी

गर्मी के मौसम ने दस्तक दे दी है। ऐसे में बदलते मौसम का सबसे पहला असर स्वास्थ्य पर होता है। गर्मी के कारण पसीना आता है जिससे शरीर में बैक्टीरिया पैदा होने लगते हैं। इसके अलावा डिहाइड्रेशन, पेट संबंधी समस्याएं, सीजनल फ्लू भी शरीर को कई तरह से घेरता है। इन सभी स्वास्थ्य समस्याओं से बचने के लिए फिटकरी फायदेमंद हो सकती है। फिटकरी में एंटीबायोटिक और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो शरीर को कई फायदे देते हैं। तो चलिए आज आपको इस आर्टिकल के जरिए फिटकरी के स्वास्थ्य लाभ बताते हैं।

पसीने की बदबू होगी दूर

फिटकरी गर्मियों में आपके लिए एक नैचुरल डियोडरेंट के तौर पर काम करती है। इससे तन की दुर्गंध दूर होती है। इस पानी में मिलाकर अंडरआर्म्स में लगाने से स्वैट ग्लैंड्स श्रिंक होते हैं और ज्यादा पसीना आने की समस्या भी दूर होती है। फिटकरी का इस्तेमाल आप नहाने वाले पानी में मिलाकर कर सकते हैं। इसमें कुछ ऐसे एंटीबैक्टीरियल गुण भी मौजूद होते हैं जो इंफ्केशन बढ़ने से रोकते हैं।

खांसी से मिलेगा आराम

यदि आपको बदलते मौसम में गले में बलगम और खराश होती है तो भी फिटकरी आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। दिन में दो बार इसे पानी में मिलाकर गरारे करने से आपका गला साफ होगा और खांसी से आराम मिलेगा।

मसूड़े बनेंगे मजबूत

अनहेल्दी खान–पान के कारण आजकल दांतों से जुड़ी समस्याएं भी बहुत जल्दी घेरती हैं। ऐसे में यदि आप मसूड़ों के दर्द से परेशान हैं तो फिटकरी के पानी के साथ गरारे इससे मुंह में आने वाली बदबू दूर होगी। इसके अलावा यह मसूड़ों को मजबूत बनाने में भी मदद करती है। फिटकरी को आप माउथ वॉश के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

जोड़ों के दर्द से मिलेगी राहत

शरीर की सूजन और दर्द से राहत दिलवाने में भी फिटकरी बेहद लाभकारी मानी जाती है। इसमें कुछ ऐसे एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो दर्द दूर करने में मदद करते हैं। शरीर के सूजन वाले हिस्से पर पानी के साथ इसकी सिकाई करें। इसके अलावा एक टब में गर्म पानी डालकर पैर इसमें डुबोकर बैठने से भी आपको सूजन से राहत मिलेगी।

कोलेस्ट्रॉल रहेगा कंट्रोल

इसका इस्तेमाल करने से कोलेस्ट्रॉल भी कंट्रोल में रहता है। यह नसों में जमा गंदा कोलेस्ट्रॉल साफ करती है जिससे ब्लड सर्कुलेशन ठीक होता है। फिटकरी दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है।

मुंह के छाले होंगे दूर

यदि आपके मुंह में छाले रहते हैं तो फिटकरी को पानी में डालें। फिर इस पानी को उबाल लें। पानी को गुनगुना करके उससे कुल्ला करें। धीरे–धीरे मुंह के छाले ठीक होने लगेंगे।

नवरात्रि में 9 दिन करें इन 9 चीजों का दान , रातों रात ही बदल जाएगी किस्मत

नवरात्रि का पर्व सिर्फ पूजा–पाठ ही नहीं, बल्कि दान–पुण्य के लिए भी बेहद शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन 9 दिनों में जरूरतमंदों को दान देने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और जीवन में सुख–समृद्धि आती है। कहा जाता है कि अगर नवरात्रि के हर दिन विशेष चीजों का दान किया जाए, तो किस्मत भी बदल सकती है और जीवन की परेशानियां दूर हो सकती हैं।

9 दिन करें इन चीजों का दान

पहला दिनः घी का दानः घी का दान करने से शरीर स्वस्थ रहता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

दूसरा दिनः शक्कर या मिश्रीः इस दिन मीठा दान करने से जीवन में मधुरता और रिश्तों में प्यार बढ़ता है।

तीसरा दिनः दूध या दूध से बनी चीजेंः दूध का दान करने से मानसिक शांति और सुख मिलता है।

चौथा दिनः फल का दानः फल दान करने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है और घर में खुशहाली आती है।

पांचवां दिनः अनाज (चावल,गेहूं)ः अनाज का दान बहुत पुण्यकारी माना जाता है, इससे धन–धान्य में वृद्धि होती है।

छठा दिनः शहद या गुड़ः यह दान करने से जीवन में मिठास और सकारात्मकता आती है।

सातवां दिनः लाल वस्त्रः मां दुर्गा को लाल रंग प्रिय है, इसलिए लाल कपड़े दान करने से मां का आशीर्वाद मिलता है।

आठवां दिनः नारियल और मिठाईः अष्टमी के दिन नारियल और मिठाई का दान करने से विशेष फल मिलता है।

नौवां दिनः कन्या पूजन और भोजनः नवमी के दिन छोटी कन्याओं को भोजन कराना और उन्हें उपहार देना सबसे शुभ माना जाता है।

दान करते समय ध्यान रखें

दान हमेशा सच्चे मन और श्रद्धा से करें, जरूरतमंद व्यक्ति को ही दान दें, दिखावे के लिए दान न करें। धार्मिक मान्यता है कि नवरात्रि में किया गया दान कई गुना फल देता है। इससे न सिर्फ पापों का नाश होता है, बल्कि घर में सुख, शांति और समृद्धि भी आती है। नवरात्रि के इन 9 दिनों में छोटा–सा दान भी आपकी किस्मत बदल सकता है, बस भावना सच्ची होनी चाहिए।

संक्षिप्त

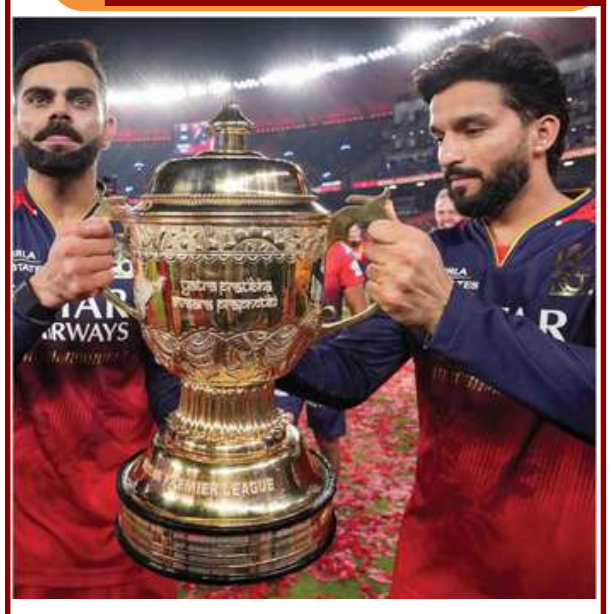

क्या आरसीबी की बिक्री से लीग में बनेगा एक नया रिकॉर्ड? फ्रेंचाइजी पर बोली पहुंची दो अरब डॉलर के करीब

बंगलूरू,एजेंसी। आईपीएल की मशहूर फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की बिक्री अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस रेस में अब सिर्फ दो प्रमुख दावेदार बचे हैं। बोली दो बिलियन यूएस डॉलर (करीब 18,495 करोड़ रुपये) के पार जाने की संभावना जताई जा रही है, जो इसे आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी डील में से एक बना सकती है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, स्वीडन की प्राइवेट इक्विटी फर्म ईक्यूटी (म्फज) ने बड़ी बोली लगाई है। वहीं दूसरी तरफ एक कंसोर्टियम है, जिसमें रंजन पाई, कोलबर्ग क्रेविस रॉबर्ट्स एंड कंपनी और टीमासेक शामिल हैं। पहले इस रेस में कई बड़े नाम थे, जिनमें ग्लेजर फैमिली और आदार पूनावाला शामिल थे, लेकिन उन्होंने अब पीछे हटने का फैसला किया। मार्केट सूत्रों के मुताबिक, आरसीबी की मौजूदा मालिक कंपनी डियाजियो ने 31 मार्च तक डील फाइनल करने की डेडलाइन तय की है। पहले ग्लेजर्स ने 1.8 अरब डॉलर की नॉन–बाइंडिंग बोली लगाई थी, लेकिन ईक्यूटी ने इसे बढ़ाकर दो बिलियन यूएस डॉलर के करीब पहुंचा दिया है। अब यह सीधी बोली की लड़ाई बन चुकी है। इधर राजस्थान रॉयल्स को खरीदने के लिए भी कई निवेशक सामने आए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीन पार्टियों ने बाइंडिंग बोली लगाई है, जिसमें आदित्य बिड़ला ग्रुप सबसे आगे नजर आ रहा है। फ्रेंचाइजी की कीमत 1.1 से 1.35 अरब डॉलर यानी 10,172 करोड़ रुपये से 12,484 करोड़ रुपये के बीच आंकी जा रही है। इस डील को रायने ग्रुप देख रहा है, जिसने पहले द हंड्रेड की फ्रेंचाइजी बिक्री भी संभाली थी। बताया जा रहा है कि आदित्य बिड़ला ग्रुप ने अमेरिकी निवेशक डेविड ब्लितजर के साथ मिलकर बोली लगाई है। इस डील की डेडलाइन भी 31 मार्च बताई जा रही है। इन बड़ी–बड़ी बोलियों से साफ है कि आईपीएल टीमों की ब्रांड वैल्यू लगातार बढ़ रही है। ग्लोबल निवेशकों की दिलचस्पी इस लीग को दुनिया की सबसे आकर्षक स्पोर्ट्स लीग में बदल रही है।

होर्मुज के रास्ते भारत आया एक और जहाज, 80,886 मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर गुजरात पहुंचा

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बावजूद भारत के लिए एलपीजी और कच्चा तेल लेकर आए भारतीय ध्वज वाले टैंकर सुरक्षित रूप से गुजरात के बंदरगाहों तक पहुंच रहे हैं। इससे ऊर्जा आपूर्ति को लेकर तत्काल राहत मिली है। गुजरात के मुंद्रा स्थित अदाणी पोर्ट्स पर भारतीय ध्वज वाले क्रूड ऑयल टैंकर जग लाडकी का आगमन हुआ। यह टैंकर संयुक्त अरब अमीरात से कच्चा तेल लेकर पहुंचा है। टैंकर में करीब 80,886 मीट्रिक टन कच्चा तेल लदा था, जिसे फुजैराह बंदरगाह से लोड किया गया था। जग लाडकी युद्ध क्षेत्र से अदानी समूह के मुंद्रा बंदरगाह पर पहुंचने वाला दूसरा जहाज है। इससे पहले, एलपीजी टैंकर शिवालिक सोमवार को बंदरगाह पर पहुंचा था। खास बात यह है कि जहाज उसी दिन रवाना हुआ था, जब फुजैरा के तेल टर्मिनल पर हमला हुआ था। शिवालिक और नंदा देवी के बाद यह भारत पहुंचने वाला तीसरा जहाज है। यह जहाज फारस की खाड़ी से अरब सागर को जोड़ने वाले अहम समुद्री रास्ते होर्मुज से होकर भारत पहुंचा। एलपीजी टैंकर नंदा देवी 46,500 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर मंगलवार को वाडीनार पहुंचा, जहां एंकरिज क्षेत्र में शिप–टू–शिप ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू की गई। मिली जानकारी के मुताबिक, श्नंदा देवीश से यह एलपीजी डज ठॅ ठपतबी नामक दूसरे जहाज में ट्रांसफर किया जाएगा। यह ट्रांसफर आज से शुरू होने वाला है, जो देश में एलपीजी आपूर्ति को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस दौरान दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह ने खुद नंदा देवी जहाज पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जहाज के कैप्टन और क्रू मेंबर्स से बातचीत कर ट्रांसफर प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। सरकार ने प्रमुख बंदरगाहों को जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने और कार्गो ऑपरेशन में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत एंकरिज, बर्थ हायर और स्टोरेज शुल्क में रियायत दी जा रही है, साथ ही जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी में अस्थायी ट्रांसशिपमेंट की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इधर, एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश के बाद एचपीसीएल मित्तल एनर्जी (बठिंडा) और रिलायंस रिफाइनरी (जामनगर) ने रेल रेक्स की अतिरिक्त मांग रखी है, ताकि गैस की आपूर्ति देशभर में तेजी से पहुंचाई जा सके। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम ऊर्जा मार्गों में से एक माना जाता है। दुनिया भर में तेल और गैस की करीब 20 प्रतिशत आपूर्ति इसी समुद्री रास्ते से गुजरती है। इसलिए इस मार्ग पर किसी भी तरह का तनाव पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर सकता है।

ये छह स्टार अब भी रिहैब में, किन फ्रेंचाइजियों को होगा सबसे ज्यादा नुकसान?

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल 2026 का 28 मार्च से आगाज होने वाला है। लीग का यह 19वां सत्र होगा। टी20 विश्वकप 2026 के बाद अब फैंस को फटाफट क्रिकेट का नया रोमांच मिलेगा। पिछले सीजन में 200 के कई स्कोर बने थे। ऐसे में इस बार 300 बनने की उम्मीद भी की जा रही है। हालांकि, इसमें सबसे बड़ा रोड़ा खिलाड़ियों की चोट है। लीग शुरू होने में अब 10 दिन बचे हैं, लेकिन कुछ बड़े खिलाड़ी अब भी रिहैब में हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि ये खिलाड़ी आईपीएल का ज्यादातर हिस्सा चोट की वजह से मिस कर सकते हैं। इन खिलाड़ियों के नहीं होने से चार टीमों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। आईपीएल 2026 के आगाज का काउंटडाउन शुरू हो गया है। हालांकि, इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा घुटने की सर्जरी के कारण टूर्नामेंट के बड़े हिस्से से बाहर रह सकते हैं। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के मुताबिक, राणा ने फरवरी में घुटने की सर्जरी कराई थी और फिलहाल वह रिहैब की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी फिटनेस पर नजर रखे हुए है, लेकिन अभी तक उनकी वापसी की कोई तय तारीख सामने नहीं आई है।

अगर वह पूरे टूर्नामेंट से बाहर रहते हैं, तो यह लगातार दूसरा बड़ा टूर्नामेंट होगा जिसे वह चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे। हर्षित राणा को यह चोट भारत के टी20 विश्वकप के वॉर्म–अप मैच के दौरान लगी थी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए उस अभ्यास मुकाबले में उन्होंने सिर्फ एक ओवर फेंका था, जिसके बाद उन्हें घुटने में परेशानी महसूस हुई। जांच में उनके दाहिने घुटने के लिगामेंट में खिंचाव पाया गया, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। केकेआर ने हर्षित को चार करोड़ रुपये में रिटेन किया था। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस फिलहाल पीठ की चोट से जूझ रहे हैं और इसी कारण वह आईपीएल 2026 के पहले हाफ से बाहर रह सकते हैं। ऐसे में सनराइजर्स के लिए परेशानियों बढ़ गई हैं। टीम को ये विचार करना है कि कमिंस की गैरमौजूदगी में टीम की कमान कौन संभालेगा। कमिंस की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है। 2024 में ये टीम फाइनल में पहुंची थी, लेकिन 2026 में छठे स्थान पर रही। कमिंस ने दिसंबर 2025 में एडिलेड में खेले गए तीसरे एशेज टेस्ट के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। वेस्टइंडीज दौरे के बाद उन्हें पीठ के निचले हिस्से में लम्बर बोन स्ट्रेस इंजरी हो गई थी, जिसके चलते उन्हें लंबे समय तक मैदान से दूर रहना पड़ा। इसी चोट के कारण वह एशेज सीरीज के बाकी मुकाबलों और आईसीसी टी20 विश्व कप से भी बाहर हो गए थे। उनकी वापसी की तारीख अभी तय नहीं है। कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद ने 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

गत चैंपियन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के बिना अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार नजर आ रही है। हेजलवुड फिलहाल चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं। इस चोट की वजह से वह पूरी एशेज सीरीज और टी20 विश्व कप से बाहर रहे। आरसीबी के स्टार गेंदबाज को हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। जब वह ठीक हुए, तब उनकी एड़ी में तकलीफ शुरू हो गई। अभी की जानकारी के मुताबिक, आईपीएल 2026 में वह अपनी फ्रेंचाइजी के लिए शुरुआती दो मैच नहीं खेल सकेंगे। ऑस्ट्रेलिया अगस्त से करीब 16 महीनों के एक व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत करने जा रहा है, जिससे पहले कमिंस और हेजलवुड को पूरी तरह से फिट होना होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मेडिकल स्टाफ ने पिछले कुछ महीनों से इन दोनों मुख्य खिलाड़ियों पर बारीकी से नजर बनाए रखी है। हेजलवुड को आरसीबी ने 12.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। पिछले कुछ सीजन तक चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने के बाद अब श्रीलंका के स्टार तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते नजर आएंगे। उन्हें पिछले ऑक्शन में केकेआर ने 18 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। हालांकि, पथिराना का भी पहले हाफ में खेलना मुश्किल है। वह काफ इंजरी और बाएं पैर की मांसपेशियों में चोट से परेशान हैं। टी20 विश्वकप में उन्हें चोट लगी थी और वह रिप्लेस हुए थे। पथिराना की वापसी की तारीफ अभी तय नहीं है। वानिंदु हसरंगा आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए शुरुआती मैच मिस कर सकते हैं। उनके बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट है, जिसके चलते वह टी20 वर्ल्ड कप 2026 से भी बाहर हो गए थे। लखनऊ ने उन्हें मिनी ऑक्शन में दो करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन उनकी फिटनेस टीम के लिए चिंता बनी हुई है। ईशान मलिंगा कंधे के डिसलोकेशन के कारण आईपीएल 2026 की शुरुआत में उपलब्ध नहीं रह सकते। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए यह बड़ा झटका हो सकता है, क्योंकि फ्रेंचाइजी ने उन्हें 1.2 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। साथ ही कमिंस की गैरमौजूदगी में ईशान पर जिम्मेदारी होती, लेकिन उनके भी नहीं रहने से सनराइजर्स की गेंदबाजी थोड़ी कमजोर दिख रही है। ईशान की रिकवरी पर अब सभी की नजरें टिकी हैं।

पाकिस्तानी टी20 लीग का क्यों उड़ रहा मजाक?

कराची,एजेंसी। पाकिस्तान अपनी किरकिरी करवाने का कोई मौका नहीं छोड़ता है। इस बार भी कुछ ऐसा हुआ है। 26 मार्च से शुरू हो रहे पाकिस्तानी सुपर लीग (पीएसएल) से पहले उसकी एक टीम ने ऐसा फैसला लिया है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। पीएसएल में मार्नस लाबुशेन को हैदराबाद किंग्समेन फ्रेंचाइजी का कप्तान नियुक्त किया गया है। लाबुशेन इस साल पीएसएल टीम के कप्तान बनने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। उनसे पहले कराची किंग्स ने डेविड वॉर्नर और मुल्तान सुल्तांस ने एश्टन टर्नर को अपना कप्तान बनाया था। लाबुशेन टी20 सर्किट में नियमित खिलाड़ी नहीं हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर से सिर्फ एक ही टी20 मैच खेला है। लाबुशेन मुख्य रूप से टॉप–ऑर्डर के बल्लेबाज हैं, लेकिन ऑफ स्पिन या मीडियम पेस गेंदबाजी भी कर सकते हैं। उन्होंने 59 टी20 मुकाबलों में 40 विकेट निकाले हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की वनडे और टेस्ट टीम का हिस्सा हैं। हालांकि, खराब फॉर्म के चलते हाल ही में उन्हें ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर भी किया था। ऐसे में एक टेस्ट बल्लेबाज को कप्तान बनाकर पीएसएल की फ्रेंचाइजी ने खुद की किरकिरी करवाई है। लाबुशेन ने बिग बैश लीग में 31 मुकाबले खेले, जिसमें 22.96 की औसत के साथ 643 रन बनाने के साथ 13 विकेट हासिल किए। वहीं, वाइटैलिटी ब्लास्ट में 27 मुकाबले खेलते हुए 32 की औसत के साथ 736 रन बनाए। इस लीग में उन्होंने 27 विकेट भी निकाले हैं। ओवरऑल 59 टी20 में लाबुशेन ने 26.55 की औसत और 126.81 के स्ट्राइक रेट से 1381 रन बनाए हैं। इनमें आठ अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा 40 विकेट भी लिए हैं। उनका इकोनॉमी रेट 8.74 का रहा है और 11 रन देकर पांच विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। लाबुशेन को कभी आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिला है। हैदराबाद किंग्समेन पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल होने वाली दो नई टीमों में से एक है। किंग्समेन की टीम में कप्तानी के अनुभव वाले खिलाड़ियों की कमी थी, इसलिए कप्तान के तौर पर किसी एक खिलाड़ी का नाम सबसे आगे नहीं था। ग्लेन मैक्सवेल, कुसल परेरा और सैम अयूब जैसे बड़े नाम भी टीम में शामिल थे, लेकिन लाबुशेन को टीम की कप्तानी सौंपी गई।

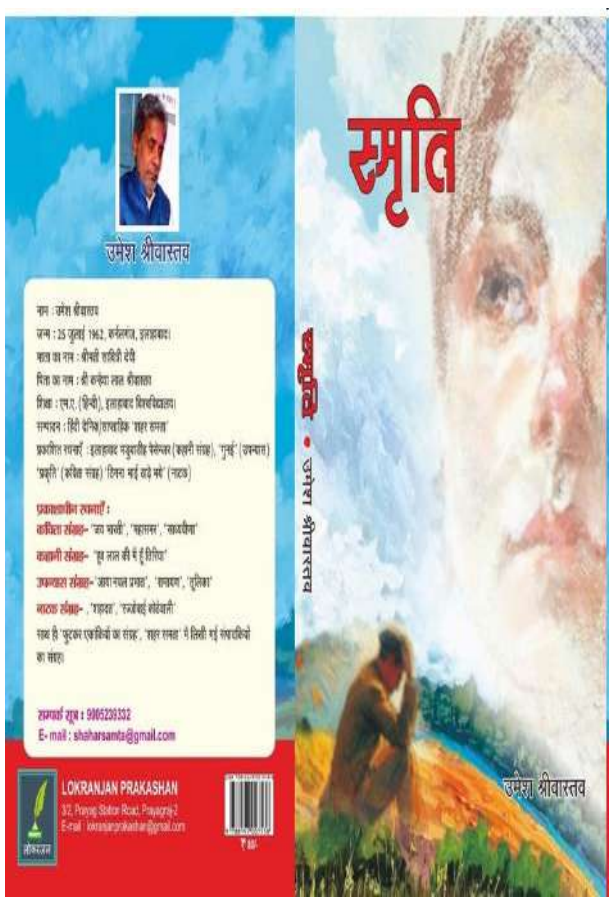

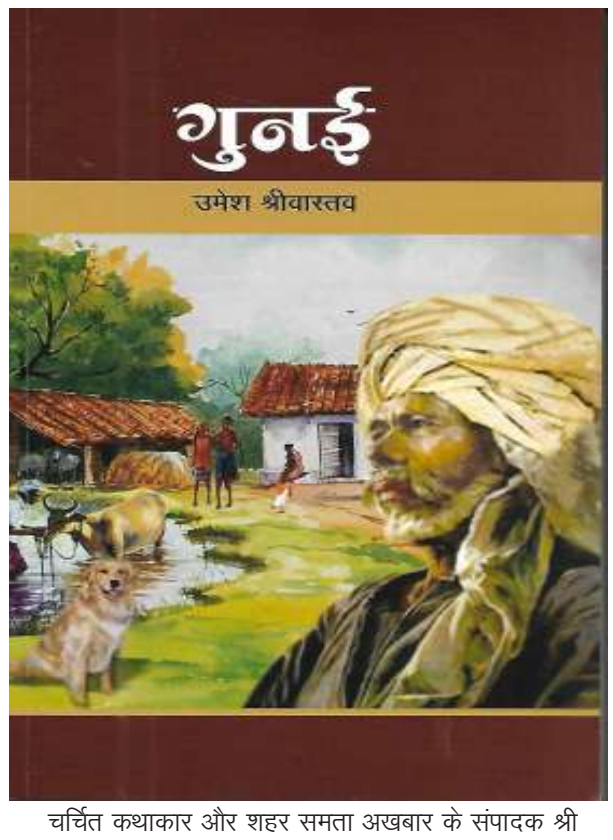

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

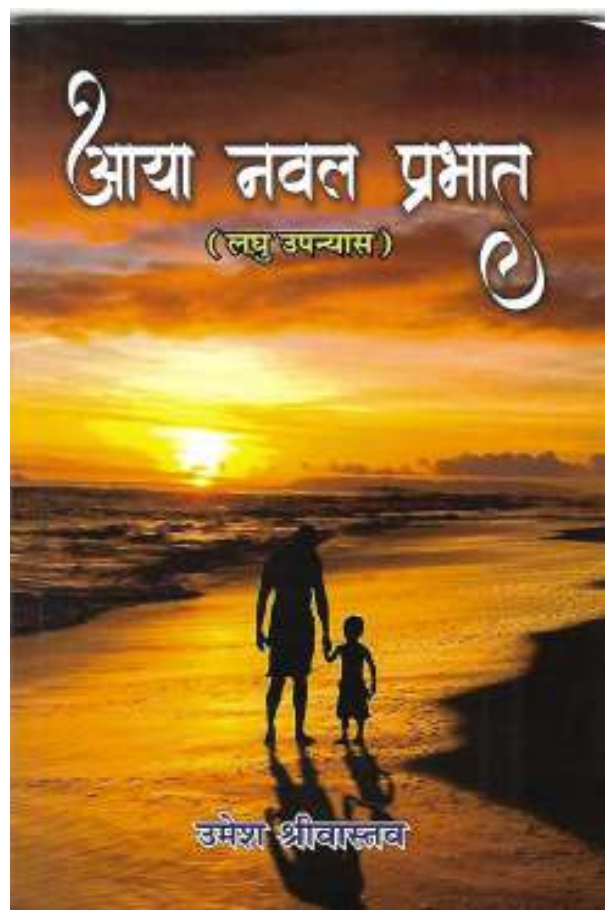

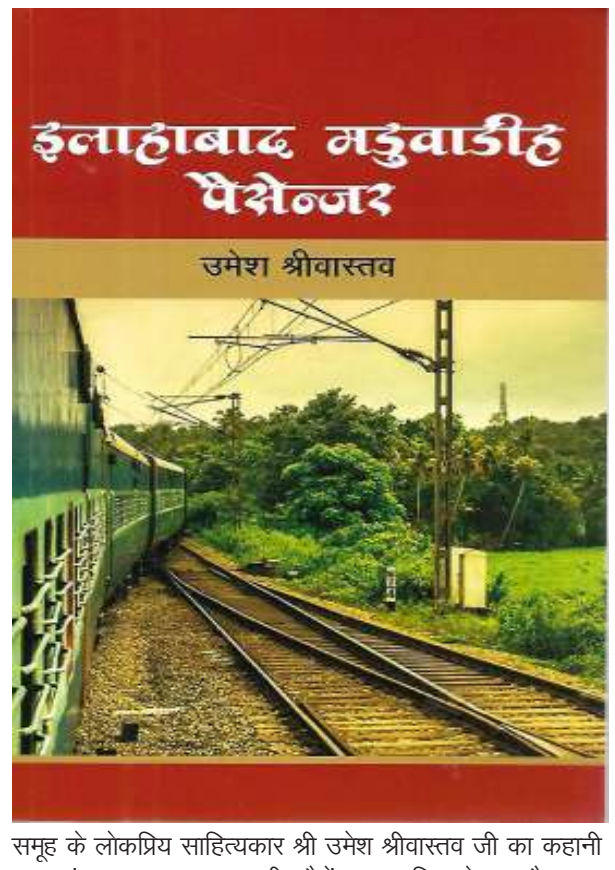

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

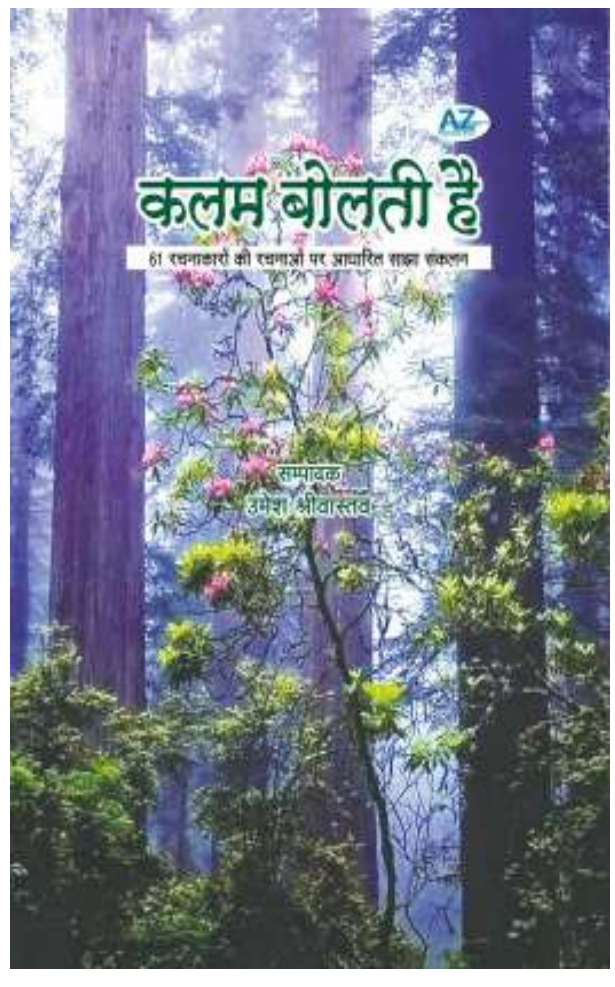

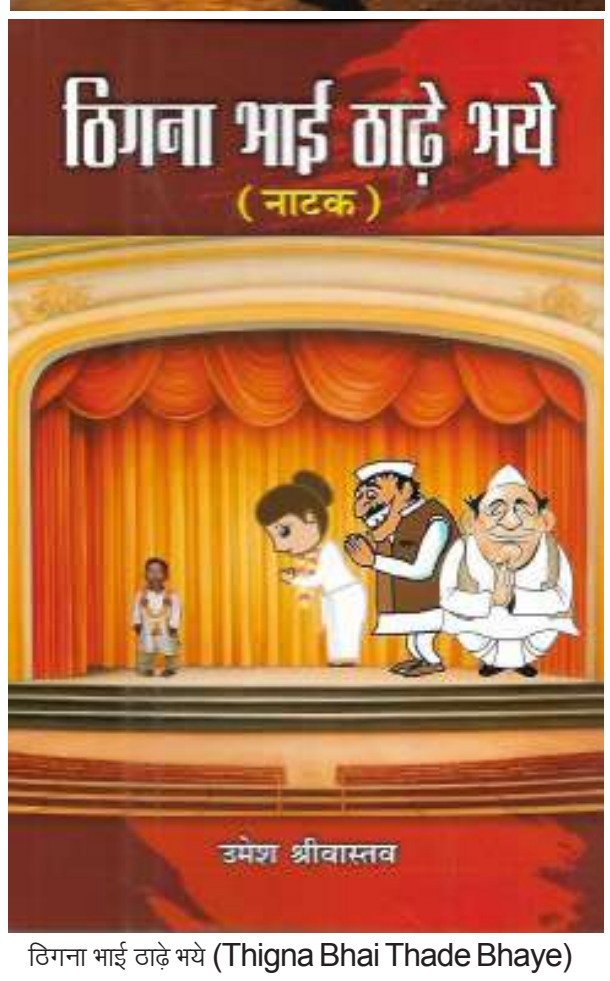

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

ऑपरेशन सिंदूर की मार से नहीं उबर पा रहा पाकिस्तान: धर्म और जाति नहीं, अब पैसों की लालच से युवाओं को फंसा रहा

इस्लामाबाद, एजेंसी। दुनियाभर में कटोरा लेकर घूम रहा पाकिस्तान अभी तक ऑपरेशन सिंदूर की करारी मार से उबर नहीं पा रहा है। इसका बड़ा कारण है कि भारतीय सेना की कार्रवाई ने आतंकवाद के ढांचे को बड़ा झटका दिया है, जिसका सीधा असर आतंकी संगठनों की भर्ती पर पड़ा है। पहले जहां जैश और लश्कर जैसे संगठनों में आसानी से भर्ती होती थी, अब इसमें भारी गिरावट आई है। खुफिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान अब नई रणनीति के तहत युवाओं को जोड़ने की कोशिश कर रहा है, लेकिन हालात पहले जैसे नहीं रहे हैं। रिपोर्टस बताती हैं कि इससे पहले जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर–ए–तैयबा जैसे आतंकवादी समूहों में भर्ती आसानी से हो जाती थी। हालिया खुफिया आकलन के मुताबिक,

इन समूहों में भर्ती अब लगभग 30–40 प्रतिशत कम हो गई है। इससे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने अपनी रणनीति बदल दी है। अब भर्ती धर्म या विचारधारा नहीं, बल्कि पैसे के लालच पर ज्यादा आधारित है। मीडिया रिपोर्टस में बताया गया जा रहा है कि आईएसआई अब किसी भी धर्म, जाति या विश्वास के युवाओं को भर्ती करने के लिए तैयार है। इसके लिए बड़े पैमाने पर युवाओं को ढूंढा और पैसे का लालच दिया जा रहा है। भर्ती में शामिल लोगों को उनके काम के हिसाब से 10,000 से 2,00,000 रुपये तक दिए जा रहे हैं। खुफिया सूत्रों के अनुसार, अब आईएसआई पैसे और बेहतर जीवनशैली की लालच देकर युवाओं को आकर्षित कर रही है। इसका मुख्य निशाना छात्र और पैसे की जरूरत वाले लोग हैं, लेकिन हाल की जांच में यह भी पता चला कि अधिकतर लोग उच्च जीवन स्तर और विलासिता के लिए भर्ती हो रहे हैं। इतना ही नहीं गौर करने वाली बात यह भी है कि आईएसआई की नई रणनीति पहले खालिस्तान नेटवर्क पर लागू की गई। पंजाब में नशे की समस्या का फायदा उठाकर युवाओं को पैसे देकर भर्ती किया जा रहा है, ताकि वे नशे के लिए पैसा खर्च कर सकें। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि यह भर्ती अभियान सिर्फ बढ़ने वाला है। इसका लक्ष्य पूरे भारत में नेटवर्क तैयार करना और आतंकवादी समूहों को लॉजिस्टिक और जासूसी सहायता देना है। सीमा इलाकों में पाकिस्तानी एजेंट सैनिकों और सैन्य ठिकानों की हरकत पर नजर रख रहे हैं। शहरों में यह भर्ती अभियान युवाओं को सरकारी और न्यायिक इमारतों, पुलिस स्टेशनों, रेलवे स्टेशनों की वीडियो शूटिंग के लिए भी शामिल कर रहा है। ऐसे में एक बात तो साफ हो गई है कि आईएसआई का उद्देश्य तुरंत हमला करना नहीं, बल्कि समय लेकर पूरे देश में जासूसी नेटवर्क और डेटा इकट्ठा करना है। पाकिस्तान में बैठा आईएसआई जहां एक ओर ऐसे कदम उठा रहा है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान अपनी सेना के साथ अफगान तालिबान, टीटीपी और बीएलए लड़ाकों जैसे समूहों से भी लड़ाई में व्यस्त है। आईएसआई की भर्ती रणनीति इन समूहों को फिर से सक्रिय करने में मदद करेगी। खुफिया एजेंसियों ने पुलिस को सोशल मीडिया और बड़े फॉलोअर्स वाले इन्फ्लुएंसर्स पर कड़ी नजर रखने की सलाह दी है, क्योंकि आईएसआई इन्हें फिर से प्रभावित करके नैरेटिव बैटल में भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर सकती है।

संक्षिप्त

कांग्रेस के सामने पेश होंगे शीर्ष अमेरिकी अधिकारी, ईरान युद्ध-घरेलू आतंकी खतरों पर हो सकते हैं कड़े सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के शीर्ष सुरक्षा और खुफिया अधिकारी बुधवार से संसद (कांग्रेस) की समितियों के सामने पेश होने जा रहे हैं। ट्रंप प्रशासन के ये अधिकारी ईरान के साथ चल रहे युद्ध और अमेरिका के भीतर बढ़ते आतंकी खतरों पर अपनी गवाही देंगे। इस सुनवाई के दौरान अधिकारियों को कई संवेदनशील मुद्दों पर कड़े सवालों का सामना करना पड़ सकता है। हाउस और सीनेट की खुफिया समितियों के सामने होने वाली यह गवाही मुख्य रूप से युद्ध पर केंद्रित रहने की उम्मीद है। इस सुनवाई का सबसे बड़ा मुद्दा ईरान के एक स्कूल पर हुआ मिसाइल हमला हो सकता है। इस हमले में 165 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। शुरुआती रिपोर्टों से पता चला है कि डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (डीआईए) की पुरानी और गलत जानकारी की वजह से यह मिसाइल स्कूल पर जा गिरी। डीआईए के डायरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल जेम्स एच. एडम्स से इस बड़ी चूक पर जवाब मांगा जा सरता है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि इस घटना की जांच अभी जारी है। ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी प्रशासन के अंदर भी खींचतान मची है। नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर के डायरेक्टर जो केंट ने हाल ही में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने साफ कहा कि वे इस युद्ध का समर्थन नहीं कर सकते। केंट के अनुसार, ईरान से अमेरिका को कोई ऐसा खतरा नहीं है जिसके लिए युद्ध किया जाए। नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड और सीआईए के निदेशक जॉन रैटक्लिफ से ईरान के बारे में हाल ही में मिले खुफिया आकलन (इंटेलिजेंस असेसमेंट) को लेकर भी सवाल पूछे जा सकते हैं। इनमें से एक आकलन में यह कहा गया था कि अमेरिकी हमलों से तेहरान में सत्ता परिवर्तन होने की संभावना कम ही है, जबकि दूसरे आकलन में इस दावे पर ही संदेह जताया गया था कि ईरान पहले हमला करने की तैयारी कर रहा था। संसद में अमेरिका के घरेलू हालातों पर भी चर्चा होगी। हाल के दिनों में मिशिगन के एक यहूदी प्रार्थना स्थल और वर्जीनिया की एक यूनिवर्सिटी में हमले हुए हैं। इसके अलावा, टेक्सास के एक बार में गोलीबारी हुई जहां हमलावर के कपड़ों पर ईरानी झंडा बना था। न्यूयॉर्क में मेयर के घर के बाहर विस्फोटक लाने के आरोप में दो लोगों को पकड़ा गया है। इन घटनाओं ने देश की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एफबीआई के मुखिया काश पटेल की कार्यशैली भी जांच के घेरे में है। उन्होंने पिछले एक साल में कई अनुभवी एजेंटों को नौकरी से निकाल दिया है। जानकारों का मानना है कि इससे देश की सुरक्षा क्षमता कमजोर हो सकती है। काश पटेल पहली बार सार्वजनिक रूप से संसद के सामने आएंगे। उनसे उनके नेतृत्व और हालिया विवादों पर सवाल पूछे जा सकते हैं।

अमेरिका का ईरान पर बड़ा हमला, होर्मुज के पास गिराया 5000 पाउंड वजनी बम, मिसाइल ठिकाने बने निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने बुधवार की तड़के ईरान पर कई बड़े हमले किए हैं। अमेरिकी सेना ने बताया कि इन हमलों में 5,000 पाउंड (करीब 2267 किलोग्राम) वजनी डीप पेनेट्रेटर बमों का इस्तेमाल किया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, इन हमलों में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरान के तटीय क्षेत्रों में स्थित कड़े सुरक्षा वाले मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी सेना के बयान में कहा गया कि इन ठिकानों पर मौजूद एंटी–शिप क्रूज मिसाइलें अंतरराष्ट्रीय समुद्री यातायात के लिए खतरा बन रही थीं, इसलिए यह कार्रवाई की गई। इस बीच ईरान ने इस्राइल के मध्य क्षेत्र में बैलिस्टिक मिसाइल हमले किए, जिनमें दो लोगों की मौत हो गई। इस्राइल की आपातकालीन सेवा मैगन डेविड एडोम (एमडीए) के अनुसार, रमत गन शहर में एक पुरुष और एक महिला की मौत गंभीर छर्रे लगने से हुई। वहीं, तेल अवीव के उत्तर में स्थित बेनी ब्राक शहर में भी मिसाइल के टुकड़े गिरने से एक व्यक्ति घायल हुआ है। दूसरी ओर संयुक्त अरब अमीरात में भी ईरान की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमलों की पुष्टि हुई है। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि देश के अलग–अलग हिस्सों में वायु रक्षा प्रणालियों ने बैलिस्टिक मिसाइलों को रोका और लड़ाकू विमानों ने ईरानी ड्रोन्स को मार गिराया। राष्ट्रीय आपातकालीन संकट और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने और आधिकारिक सूचनाओं का पालन करने की अपील की है। पूरे देश में सायरन बजते हुए सुनाई दिए, जिन्हें सफल इंटरसेप्शन ऑपरेशन का नतीजा बताया गया। बहरीन के गृह मंत्रालय ने भी सायरन बजने की पुष्टि करते हुए नागरिकों और निवासियों से शांत रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने का आग्रह किया। कुवैत में भी सेना ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियां दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों का जवाब दे रही हैं और धमाकों की आवाजें इन्हीं इंटरसेप्शन की वजह से हैं। वहीं, इस्राइल की ओर से भी ईरान पर लगातार हवाई हमले किए जा रहे हैं। बीते दिन इस्राइली सेना के हमलों में ईरान के शीर्ष अधिकारी अली लारीजानी और बासिज फोर्स के कमांडर गुलामरेजा सुलेमानी की मौत हो गई।

इस्राइल के हमले में अली लारीजानी और कमांडर सुलेमानी की मौत

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने मंगलवार की देर रात बासिज फोर्स के कमांडर गुलामरेजा सुलेमानी और अली लारीजानी की मौत की पुष्टि कर दी। ईरानी सरकारी मीडिया ने यह खबर दी है। इससे पहले इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने दावा किया था कि सुलेमानी और ईरान की सर्वोच्च सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी को एक रात पहले मार गिराया गया। दोनों नेताओं को जनवरी में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान कार्रवाई में अहम भूमिका निभाने वाला माना जाता था। इनकी मौत ऐसे समय में हुई है जब ईरान युद्ध जैसी स्थिति का सामना कर रहा है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

काबुल में अस्पताल पर हमला: ईयू ने पाकिस्तान की निंदा की, कहा- सैन्य कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

एजेंसी/यूरोपीय संघ (ईयू) ने काबुल में एक चिकित्सा सुविधा पर पाकिस्तानी हवाई हमले की निंदा किया। उन्होंने इसे पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे संघर्ष में एक घातक वृद्धि बताया है।यूरोपीय संघ ने दोनों पक्षों से अधिकतम संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी संभव उपाय करने का आग्रह किया। इसके साथ ही चेतावनी दी कि नागरिक और चिकित्सा सुविधाओं पर हमले अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन करते हैं। यह बयान सोमवार रात को पाकिस्तानी हमले के बाद आया है, जिसमें काबुल के पुल–ए–चरखी इलाके में स्थित 2,000 बिस्तरों वाले ओमिद व्यसन उपचार अस्पताल को निशाना बनाया गया था, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। यूरोपीय संघ ने कहा, "नागरिकों और चिकित्सा सुविधाओं को कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना

चाहिए, क्योंकि वे जेनेवा सम्मेलन सहित अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत संरक्षित हैं। सैन्य अभियानों में शामिल सभी पक्षों का दायित्व है कि वे हर परिस्थिति में इन प्रावधानों का सम्मान करें। यूरोपीय संघ ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तत्काल युद्धविराम और बातचीत फिर से शुरू करने का आह्वान करने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का साथ दिया। अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मौलवी अमीर खान मुत्ताकी ने मंगलवार को दावा किया कि पाकिस्तानी सेना की ओर से ओमिद नशा मुक्ति अस्पताल पर किए गए हमले में नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती 408 से अधिक मरीज मारे गए। वहीं, 265 से अधिक घायल हो गए। काबुल में राजदूतों, मिशन प्रमुखों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मुत्ताकी ने कहा कि ये हमले 16 मार्च को रात करीब 9 बजे हुए और इन्हें ष्पाकिस्तानी सैन्य शासन के सैन्य विमानों और ड्रोनष् से अंजाम दिया गया, जिसमें जानबूझकर अफगान समाज के सबसे कमजोर समूहों में से एक को निशाना बनाया गया। उन्होंने आगे कहा कि पीड़ित नशे के आदी व्यक्ति थे, जिनका इलाज अंतरराष्ट्रीय मानवीय संगठनों द्वारा समर्थित अफगान सरकार के कार्यक्रमों के माध्यम से किया जा रहा था, और चेतावनी दी कि यह संख्या और भी बढ़ सकती है।

मुत्ताकी ने पाकिस्तान की सेना पर इस्लामी या मानवीय युद्ध सिद्धांतों की अवहेलना न करने, जानबूझकर नागरिक और मानवीय सुविधाओं पर हमला करने का आरोप लगाया और इस बात पर जोर दिया कि यह हमला रमजान के अंतिम दिनों और ईद अल–फितर की पूर्व संध्या पर हुआ। उन्होंने कहा कि अफगान सुरक्षा बलों ने आनुपातिक और रक्षात्मक उपायों के साथ जवाब दिया है, केवल उन सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है जहां से हमले किए गए थे, और दोहराया कि जब तक पाकिस्तान अपने ष्उल्लंघनों और अपराधोंष को बंद नहीं कर देता, तब तक ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

ईरान युद्ध में ट्रंप को क्यों नहीं मिल रहा साथ ?: नाटो से लेकर यूरोप और एशियाई देश भी दूर, जानें क्या है वजह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका–इस्राइल की तरफ से ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़े हुए आज 19वां दिन है। दोनों ही पक्षों की तरफ से एक–दूसरे के खिलाफ हमले जारी हैं। इस्राइल ने मंगलवार को एलान किया कि उसने ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारिजानी को मार गिराया है, जिसकी पुष्टि ईरान की तरफ से कर दी गई है। दूसरी तरफ ईरान की मीडिया की तरफ से दावा किया गया है कि देश के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने इस संघर्ष को जारी रखने की बात कही है। उनकी तरफ से पहले ही एक संदेश में होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद रखने की घोषणा की गई थी, जिसके चलते दुनियाभर में तेल के दाम आसमान छूने लगे हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी अपने सहयोगी देशों से अपील की थी कि वे होर्मुज खुलवाने के लिए अपने युद्धपोतों को क्षेत्र में भेजें। हालांकि, न तो अब तक होर्मुज खोलने को लेकर अमेरिका की तरफ से कोई कदम उठाया गया है और न ही उसके सहयोगी देशों ने ही अपनी नौसेना को भेजने से जुड़ी कोई बात कही है। ऐसे में दुनियाभर में यह सवाल उठने लगे हैं कि आखिर क्यों अमेरिका को ईरान के खिलाफ युद्ध में पहले की तरह का समर्थन नहीं मिल रहा है? पश्चिमी देशों का संगठन नाटो इस युद्ध में अब तक क्यों नहीं कूदा है? यूरोप की सभी बड़ी ताकतें इस संघर्ष को लेकर क्या रुख रख रही हैं? एशिया में मौजूद अमेरिका के सहयोगी क्या कर रहे हैं? इसकी वजह क्या है? आइये जानते हैं...पहले जानें– ईरान संघर्ष में क्या है अमेरिका–इस्राइल के समर्थन की स्थिति? ईरान के खिलाफ अमेरिका और इस्राइल के संघर्ष में उनके सहयोगियों का समर्थन अब तक काफी सीमित रहा। ज्यादा यूरोपीय और एशियाई सहयोगियों ने इस युद्ध में सीधे तौर पर शामिल होने या होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए सैन्य मदद देने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मांग को खारिज कर दिया है।

1. यूरोपीय सहयोगियों का क्या रुख?

ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और इटली जैसे प्रमुख यूरोपीय देशों ने इस युद्ध में अमेरिका का साथ देने से इनकार कर दिया है और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन माना है। जर्मनी के रक्षा मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि ष्यह हमारा युद्ध नहीं है और हमने इसे शुरू नहीं किया है। कुछ इसी तरह स्पेन ने खुले तौर पर डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू किए जाने के फैसले की निंदा की है और अमेरिकी राष्ट्रपति की मांग को खारिज करते हुए कहा है कि युद्ध तुरंत खत्म होना चाहिए। स्पेन ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों के लिए अपने एयरबेस तक के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी है। इसके अलावा हाल ही में जब ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य का बेहद अहम तेल आपूर्ति मार्ग सुरक्षित करने के लिए सहयोगी देशों से मदद मांगी तब या तो यूरोपीय देशों ने अपने युद्धपोत भेजने से इनकार किया है या ट्रंप की मांग को लेकर चुप्पी साध ली।

यूएस के बंकर बस्टर बम से बौखलाया ईरान: इस्राइल पर बैलिस्टिक मिसाइल से किया हमला, होर्मुज क्षेत्र में तनाव बढ़ा

तेल अवीव, एजेंसी। ईरान ने इस्राइल के मध्य इलाके पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल की आपातकालीन सेवा मैगन डेविड एडोम (एमडीए) ने जानकारी दी कि रामत गन शहर में मिसाइल के टुकड़े गिरने से एक पुरुष और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पैरामेडिक्स ने मौके पर पहुंचकर उन्हें मृत घोषित कर दिया। मिसाइल का मलबा तेल अवीव के उत्तर में स्थित बेनी ब्रैक शहर में भी गिरा। यहां एक व्यक्ति को मामूली चोटें आई हैं। हमले के बाद इस्राइल के होम फ्रंट कमांड ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। सेना ने कहा है कि सुरक्षा निर्देशों का पालन करने से कई जानें बची हैं। बचाव दल उन जगहों पर पहुंच गए हैं जहां मिसाइलें गिरी थीं। फिलहाल लोगों को सुरक्षित जगहों (शेल्टर) से बाहर निकलने की अनुमति दे दी गई है। लेकिन साथ ही लगातार सतर्क रहने और सुरक्षा संबंधी आधिकारिक निर्देशों का पालन करने का आग्रह भी किया और भीड़भाड़ वाले इलाकों से दूर रहने को कहा गया है। इस बीच, इस्राइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ श्ऑपरेशन रोरिंग लायनश तेज कर दिया है। इस्राइली रायली वायुसेना ने हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चरों और उनके ठिकानों पर कई हवाई हमले किए। सेना का कहना है कि उन्होंने उन लॉन्चरों को निशाना बनाया जो इस्राइल पर हमला करने की तैयारी में थे। अब तक हिजबुल्लाह के सैकड़ों ठिकानों को नष्ट किया जा चुका है ताकि इस्राइली नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस बीच, अमेरिका की डिपार्टमेंट ऑफ वॉर ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा, हम राष्ट्रपति ट्रंप के आदेशों को पूरी रफ्तार और सटीकता के साथ पूरा कर रहे हैं। ऑपरेशन एपिक फ्यूरी ने ईरान की सेना को पूरी तरह से तबाह कर दिया है।

उत्तर कोरिया चुनाव: किम जोंग को नहीं मिला 100प्रतिशत वोट, विरोध में कितने और कौन, 1957 के बाद पहली बार अलग क्या हुआ?

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया में 2026 के संसदीय चुनावों ने एक बार फिर वैश्विक ध्यान खींचा है। सरकारी मीडिया केसीएनए के अनुसार, देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन और उनकी वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया ने एक बार फिर लगभग सभी वोट और सभी सीटें अपने नाम करते हुए भारी बहुमत से जीत हासिल की। 15 मार्च को आयोजित इन चुनावों में 15वीं सर्वोच्च जनसभा के सदस्यों का चयन हुआ। मतदान प्रतिशत लगभग पूर्ण रहा, जिससे सरकार ने इसे जनता के समर्थन का प्रतीक बताया।

चुकी किम जोंग उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता हैं और वहां लोकतंत्र नहीं है, तो जाहिर सी बात है कि जीत उनकी ही होनी थीं। हालांकि इन सभी मामलों के बीच ध्यान खींचने वाली बात यह है कि किम की पार्टी और उसके सहयोगी दलों को 99.93 प्रतिशत वोट मिले। इसके बाद सवाल यह उठ रहा है कि आखिर 0.7 प्रतिशत मतदाता कौन हैं, जिन्होंने किम जोंग या उनकी पार्टी को वोट नहीं दिया। ये बात सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा में है। इस बात को समझने के लिए पहले ये समझना होता कि आखिर उत्तर कोरिया में चुनाव कैसे होता है? उत्तर कोरिया में चुनाव की प्रक्रिया दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों से बहुत अलग है। यहां के चुनाव में मतदाताओं को केवल एक उम्मीदवार का नाम वाला मतपत्र दिया जाता है। इसके बाद अगर कोई व्यक्ति उम्मीदवार का विरोध करना चाहता है, तो उसे अलग बूथ में जाकर नाम काटना पड़ता है। यह प्रक्रिया गुप्त नहीं होती और इसे कभी–कभी राजद्रोह जैसा माना जा सकता है। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के चुनाव में जनता के लिए वास्तविक विकल्प बहुत कम होते हैं और अधिकांश लोग केवल औपचारिकता पूरी करने के लिए ही वोट डालते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पंजीकृत मतदाताओं में से 99.99: लोगों ने वोट डाला। केवल 0.0037प्रतिशत लोग विदेश में होने या समुद्र में काम करने के कारण मतदान नहीं कर सके, जबकि सिर्फ 0.00003प्रतिशत लोगों ने वोट डालने से परहेज किया। मतदान करने वालों में से 99.93प्रतिशत ने उम्मीदवारों का समर्थन किया, जबकि 0.07प्रतिशत ने विरोध में वोट दिया। चुनाव विशेषज्ञों के अनुसार, इस चुनाव की एक खास बात यह रही कि 1957 के बाद पहली बार राज्य मीडिया ने यह स्वीकार किया कि कुछ वोट उम्मीदवारों के खिलाफ भी पड़े हैं। हालांकि यह संख्या बेहद कम (0.07प्रतिशत) है, फिर भी यह विरोध का आंकड़ा उत्तर कोरिया जैसे देश में असामान्य रूप से उल्लेखनीय माना जा रहा है। इस चुनाव के तहत कुल 687 प्रतिनिधि चुने गए, जिनमें कामगार, किसान, बुद्धिजीवी, सेवा कर्मी और सरकारी अधिकारी शामिल हैं।

न्यू मैक्सिको के अमेरिकी वायुसेना बेस पर गोलीबारी, एक की मौत, एक घायल भी हुआ

अलमोगोर्डो , एजेंसी। न्यू मैक्सिको के एक अमेरिकी वायुसेना बेस पर गोलीबारी की घटना सामने के बाद हड़कंप मच गया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया है। मिलिट्री अधिकारियों के अनुसार, आलामोगोर्डो के पास स्थित हॉलोमन एयर फोर्स बेस पर मंगलवार शाम करीब 5रू30 बजे गोली चलाने वाला हमलावर (एक्टिव शूटर) की सूचना मिलने के बाद पूरे बेस को लॉकडाउन कर दिया गया था। वहीं इस घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।